वर्ष : 17 ❖ अंक : 44 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
बुधवार, 14 सितम्बर 2022

ममता सरकार के खिलाफ बीजेपी का हल्ला बोल 8

बाधाएं हमें रोक नहीं पाएंगी, हम भारत को जोड़ेंगे : राहुल 3

देश के विकास के लिए गांवों का विकास जरूरी : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 सितम्बर । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने आज पूर्व सिक्किम में तुमिन-नामरांग का दौरा किया जहां उन्होंने 'नामरांग मनोकामना फॉल्स' की ओर जाने वाले फुटपाथ का उद्घाटन किया।

गौरतलब है कि गंगटोक से करीब 25 किमी. दूर नामरांग में गत जुलाई में अपने दौरे के दौरान राज्यपाल ने यहां के ढांचागत विकास कार्य हेतु आर्थिक मदद का आश्वासन दिया था। साथ ही उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध नामरांग को एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करने में भी रुचि दिखायी थी। उसके बाद ही राज्य के कोष से नामरांग के नवज्योति संघ नामक एनजीओ को इस कार्य हेतु 6 लाख रुपए की धनराशि मुहैया करायी गयी।

आज इस उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रभारी साम्दुप भूटिया, एडीसी (विकास) राधा प्रधान, राकदोंग-तिन्तेक के बीडीओ किशोर थापा के अलावा स्थानीय वार्ड पंचायत रोहितराज लुइटेल, नवज्योति संघ के अध्यक्ष लोकनाथ सापकोटा, नामरांग जूनियर हाई स्कूल के शिक्षक, स्वयं सहायता समूह के सदस्य, वरिष्ठ नागरिक और स्थानीय लोग शामिल हुए।

वार्ड पंचायत रोहितराज लुइटेल ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि यह राशि विकास कार्यों पर खर्च की गई है। उन्होंने बताया कि पुनर्निर्माण और बुनियादी ढांचा विकास पर 3 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। उन्होंने नामरांग जूनियर हाई स्कूल के कार्य के बारे में भी बताया।

वहीं राज्यपाल ने अपने संक्षिप्त सम्बोधन में कहा कि भारत की आत्मा गांवों में निवास करती है। देश के विकास के लिए सबसे पहले गांव का विकास जरूरी है।

उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से आग्रह किया और कहा कि सरकार द्वारा प्रदान की गई योजनाएं सिक्किम के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास हेतु काम करने के लिए प्रभावी होनी चाहिए।

साथ ही उन्होंने नशीली दवाओं के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी। इसके अलावा राज्यपाल ने राज्य में केसर की खेती के फायदे और इसके बड़े बाजार के बारे में भी अवगत कराया।

केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली ने की घोषणा

सिक्किम में बनेगा 100 शय्या वाला ईएसआई अस्पताल

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 13 सितम्बर । केंद्रीय श्रम व रोजगार तथा पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने आज स्थानीय बाघे खोला में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन परिसर में उज्जवला योजना के लाभान्वितों को नि:शुल्क रसोई गैस कनेक्शन तथा ई-श्रम कार्ड प्रदान करने सम्बंधी एक कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर उनके साथ राज्य के श्रम मंत्री लोकनाथ शर्मा, श्रम सलाहकार मनोज प्रधान, नुमालीगढ़ रिफाइनरी के स्वंतत्र निदेशक सुदीप प्रधान एवं श्रम सचिव सुश्री नम्रता थापा भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तेली ने अपने सम्बोधन में राज्य में कुछ उल्लेखनीय विकास कार्यों के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की। साथ ही उन्होंने आज ही टीम द्वारा निरीक्षण की गई प्रस्तावित भूमि में श्रमिकों के लिए 100 शय्या वाला अस्पताल स्थापित करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार विभिन्न क्षेत्रों में नए मील के पत्थर स्थापित कर रही है।

वहीं मजदूरों को समर्पित कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार को श्रमिकों का पंजीकरण सुनिश्चित करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने 17 हजार श्रमिकों के पंजीकरण और 115 प्रतिशत एलपीजी कवरेज प्रदान करने हेतु सिक्किम सरकार की सराहना भी की। उन्होंने श्रमिकों के लिए लाभ के प्रावधान को भी रेखांकित किया और उन्हें इसका हकदार बनने के लिए पंजीकृत होने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने ई-श्रम कार्ड के लाभों पर भी प्रकाश डाला और लक्षित लाभान्वितों को ई-श्रम कार्ड जारी करने के लिए शिविर आयोजित करने की सलाह दी। इसके अलावा उन्होंने नवनिर्मित फाइबर सिलेंडरों के फायदे भी बताये।

कार्यक्रम में श्रम मंत्री लोकनाथ शर्मा ने केंद्रीय मंत्री को 100 शय्याओं वाले ईएसआई अस्पताल बनाने की घोषणा हेतु धन्यवाद दिया।

बाद में केंद्रीय मंत्री ने राकदोंग प्रखंड प्रशासनिक केंद्र का भी दौरा किया। वहां राकदोंग तिन्तेक के बीडीओ किशोर थापा ने उनका स्वागत किया।

वहां बीएसी में एक बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कम से कम दो लाख लोगों को ई-श्रम कार्ड मुहैया कराने पर जोर दिया। इसके बाद उन्होंने शाम को गंगटोक के अपर तिन्तेक में अमृत सरोवर मिशन के अंतर्गत विकसित जलाधार का भी मुआयना किया।

सिक्किम के मामलों में बाहरी तत्वों के दखल की जरूरत नहीं : गोपाल छेत्री

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 सितम्बर । सिक्किम प्रदेश कांग्रेस ने जंतर-मंतर से अनुच्छेद 371एफ को निरस्त करने की मांग करने वाले दो लोगों को सिक्किम से शुभकामना देने वालों की पहचान सार्वजनिक करने और उन्हें भी न्याय के कठघरे में खड़ा करने की मांग की है। सिक्किम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल छेत्री ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर दो लोगों के संविधान की धारा 371एफ के विरोध पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही।

उन्होंने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि सिक्किम के कई लोगों ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने वालों को बधाई दी थी। उन्होंने मांग की कि शुभकामनाएं देने वालों को भी न्याय के कटघरे में लाया जाए। उन्होंने कहा कि इस मामले में और लोगों के शामिल होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। जैसा कि सभी जानते हैं कि काटने वाले और चबाने वाले दांत अलग-अलग होते हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सिक्किम के मूल निवासी और यहां आकर लभा कमा रहे लोगों के बीच अगर किसी प्रकार की अशांति होती है तो इसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार होगी। उन्होंने कहा कि सिक्किम की सरकार लोगों ने सिक्किम के कानूनों की रक्षा के बनाई है। दूसरी ओर, उन्होंने यह भी संदेह व्यक्त किया कि ऐसा कदम सिक्किम के समर्थन से ही उठाया गया होगा। उन्होंने कहा कि सिक्किम के मामलों में बाहरी तत्वों का दखल स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी मांग की है कि सिक्किम सरकार किराए पर लाइसेंस देने वालों के लाइसेंस रद्द करे। उन्होंने कहा कि पैसे के लिए लाइसेंस बनाने और इसका दुरुपयोग करने वालों का लाइसेंस रद्द किया जाए।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इसी वजह से राज्य में घुसपैठ बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ शांति और भाईचारा की बात करने से नहीं होगा। आने (शेष पृष्ठ ०३ पर)

371एफ के खिलाफ बयान पर विवाद और गहराया

समयबद्ध जांच कर पुलिस करे कार्रवाई : बिराज अधिकारी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 सितम्बर । दिल्ली के जंतर-मंतर में दो व्यक्तियों द्वारा कथित तौर पर सिक्किम को विशेष दर्जा प्रदान करने वाली संविधान की धारा 371एफ हटाने तथा राज्य व राज्यवासियों के बारे में अनर्गल टिप्पणी करते हुए वीडियो साझा करने का मामला और तूल पकड़ता जा रहा है।

हाम्रो सिक्किम पार्टी ने इस मामले की पूरी जांच करते हुए इसमें सीधे तौर पर तथा पर्दे के पीछे से शामिल लोगों को सामने लाने की मांग की है।

हाम्रो सिक्किम पार्टी के महासचिव बिराज अधिकारी ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इस वीडियो के जारी किये जाने के बाद ही 8 सितम्बर को हमारे पार्टी नेता भाइचुंग भूटिया ने एक वीडियो जारी कर कहा था कि इसके पीछे राज्य तथा राज्य के बाहर की कुछ राजनीतिक शक्तियां हैं जो सूबे में अशांति पैदा करना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि वीडियो में दिख रहा एक युवक सुमंत कुमार ऊर्फ सुमंत हिन्दू उत्तर प्रदेश आधारित हिन्दू स्वाभिमान नामक संगठन का एक सदस्य है, जिसका नेता यति नरसिंघानंद सरस्वती है। वहीं हिन्दू स्वाभिमान की वेबसाइट के अनुसार पूर्व भाजपा सांसद बैकुंठ लाल शर्मा उर्फ प्रेम इस यति नरसिंघानंद सरस्वती के गुरु हैं।

अधिकारी ने बताया कि मामले के सम्बंध में सिक्किम पुलिस द्वारा शुरू की गई जांच का भी सुमंत हिंदू पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। उसने 11 सितम्बर को एक दूसरा वीडियो जारी कर सिक्किम तथा यहां के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाते हुए उनके प्रति अपनी जहरीली बयानबाजी जारी रखी है। उसने सिक्किमी मां-बहनों के बारे में भी असम्मानजनक बातें कही हैं। साथ ही अपने हालिया वीडियो में सुमंत कुमार कहते दिख रहे हैं कि भाजपा समेत कई अन्य राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने उसे बधाई दी है और सिक्किम में सीएए तथा एनआरसी लागू करने के साथ ही पश्चिम बंगाल में राज्य के विलय की मांग उठाने को कहा है।

एचएसपी प्रवक्ता ने आगे कहा कि ऐसी स्थिति में हम इसकी समयबद्ध जांच की मांग करते हैं जिससे युवक की राजनीतिक पार्टियों के साथ मिलीभगत और पर्दे के पीछे के लोगों को सामने लाया जा सके। उन्होंने कहा कि सिक्किम वासियों के लिए यह एकजुट होकर राज्य की मर्यादा एवं आर्टिकल 371एफ की सुरक्षा में खड़े होने का वक्त आ गया है। इसके लिए उन्होंने पार्टी नेता भाइचुंग भूटिया द्वारा आगामी 15 सितम्बर को गंगटोक के जिला प्रशासनिक केंद्र में होने जा रहे एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम में भाग लेने का आह्वान किया।

ग्रामीण विकास विभाग के कैंगसा कार्यालय में बिजली आपूर्ति ठप

लोगों ने लगाया लापरवाही का आरोप

मधु शर्मा

गेजिंग, 13 सितम्बर । पश्चिम सिक्किम के गेजिंग जिलान्तर्गत ग्रामीण विकास विभाग के कैंगसा कार्यालय में पिछले कई दिनों से बिजली आपूर्ति ठप रहने के कारण आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों की शिकायत है कि इसके कारण अपने विभिन्न कार्यों को लेकर ग्रामीण विकास विभाग के कार्यालय में जाने वाले ग्रामीणों का कोई काम नहीं हो रहा है। पिछले गुरूवार से बिजली न होने के कारण कार्यालय के कम्प्यूटर ठप हैं और वहां कर्मचारी अपना काम न कर पाने की बात कह रह हैं।

ग्रामीणों की शिकायत है कि पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के बावजूद दूर-दूर से काफी परेशानियां झेल कर वे सरकारी कार्यालय पहुंच रहे हैं। लेकिन यहां आने के बाद भी उनका काम नहीं हो पा रहा है। वहीं इस सम्बंध में बिजली विभाग से सम्पर्क करने पर उनका कहना है कि ग्रामीण विकास विभाग के कार्यालय परिसर में लगी ट्रांसफार्मर के जलने से यह समस्या खड़ी हुई है। इसके कल ठीक होने की सम्भावना है।

इधर आमलोगों ने पिछले सप्ताह भर से इस विद्युत समस्या के कारण दूर-दराज (शेष पृष्ठ ०३ पर)

योजना बनाकर वंचितों तक पहुंचाएं सरकारी सुविधा : मंत्री संजीत खरेल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 सितम्बर । सिक्किम के महिला व बाल विकास मंत्री संजीत खरेल ने मंगलवार को तादोंग स्थित समाज कल्याण भवन में अपने पहले विभागीय समन्वय बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान राज्य बाल अधिकार सुरक्षा आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रमा तमांग, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती चुंग किपु लेप्चा, महिला व बाल विकास सचिव श्रीमती गंगा डी प्रधान के अलावा सभी जिलों के अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब है कि हाल ही में राज्य मंत्रिसभा में हुए फेरबदल में संजीत खरेल को महिला व बाल विकास मंत्री बनाया गया था। आज उन्होंने अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों द्वारा उनका स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मंत्री संजीत खरेल ने उनके स्वागत हेतु विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य की वंचित और जरूरतमंद महिलाओं और बच्चों से जुड़े महिला व बाल विकास विभाग में काम करना उनके लिए खुशी की बात है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की हर नीति को लागू करने हेतु विभाग को मिलकर काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि उनके पास अधिकारिता प्रक्रिया में तेजी लाने हेतु नीतियों और कार्यक्रमों के लिए सुझाव देने वाले अधिकारियों का स्वागत है। साथ ही उन्होंने विभाग के विस्तृत विचार-विमर्श और कामकाज के आधार पर आगे कदम उठाने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करने की बात कही।

मंत्री ने कहा कि वह विभाग के महत्व को समझते हैं और उनके द्वारा समाज के कमजोर वर्ग के लिए किए जाने वाले सभी सामाजिक कल्याण कार्यों को प्राथमिकता दी जायेगी। उन्होंने विभाग के सभी अधिकारियों को योजना बनाकर राज्य के योग्य लाभान्वितों तक लाभ पहुंचाने के प्रयास जारी रखने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने विभाग के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने हेतु अपना हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। इससे पहले विभाग के विभिन्न मुद्दों को लेकर कई प्रस्तुतियों के माध्यम से चर्चा की गयी। इनमें सक्षम आंगनबाड़ी तथा पोषण 2.0, मिशन शक्ति, एक्सटूडर खाद्य प्रसंस्करण एवं अन्य योजनाएं शामिल रहे। मंत्री ने बैठक तथा प्रस्तुतियों के माध्यम से विभागीय योजनाओं के सही कार्यान्वयन की दिशा में किये जा रहे पहलों की प्रशंसा की।

'भारत जोड़ो यात्रा में बच्चों का साथ', एनसीपीसीआर ने की चुनाव आयोग से शिकायत

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने निर्वाचन आयोग से कहा है कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा' में बच्चों का कथित रूप से राजनीतिक साधन के रुप में दुरुपयोग करने' के मामले में पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत पर आवश्यक कार्रवाई तथा जांच की जाए। एनसीपीसीआर ने शिकायत की पावती में यह बात कही है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी और जवाहर बाल मंच राजनीतिक मंशा से बच्चों को निशाना बना रहे हैं और उन्हें राजनीतिक गतिविधियों में शामिल कर रहे हैं।

आयोग ने कहा कि शिकायत के अनुसार आरोप है कि सोशल मीडिया पर अनेक तकलीफदेह तस्वीरें और वीडियो हैं जिनमें देखा जा सकता है कि भारत जोड़ो, बच्चे जोड़ो' नारे के तहत बच्चों को निशाना बनाया जा रहा है और राजनीतिक एजेंडे के साथ बच्चों को उनके अभियान में शामिल कराया जा रहा है।''

आयोग ने आरोप लगाया कि यह निर्वाचन आयोग के नियमों का उल्लंघन है जिनमें कहा गया है कि केवल वयस्क ही किसी राजनीतिक दल का हिस्सा हो सकते हैं। आयोग ने निर्वाचन आयोग को लिखे पत्र में कहा, यह बाल अधिकारों का प्रथम दृष्टया उल्लंघन है। राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने के साधन के रूप में बच्चों का इस्तेमाल बाल शोषण है जिसका उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है और यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के खिलाफ है।''

आयोग आपसे अनुरोध करता है कि इस मामले को देखें तथा घटनाक्रम की पूरी पड़ताल करें और शिकायत में जिस राजनीतिक दल और उसके सदस्यों का उल्लेख किया गया है उनके खिलाफ जरूरी कार्रवाई की जाए। कांग्रेस ने पार्टी के जमीनी स्तर संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत जोड़ो' यात्रा शुरू की है। 7 सितंबर को

शुरू हुई यह यात्रा पांच महीने की अवधि में कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3,570 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

यूपी के बाद अब उत्तराखंड में भी मदरसों का होगा सर्वे

देहरादून, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। उत्तराखंड में वक्फ बोर्ड के चैयरमैन के मदरसों की जांच कराने के बयान पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी प्रतिक्रिया दी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि मदरसों को लेकर समय-समय पर तमाम तरीके की बातें सामने आती रहती है। ऐसे में जांच होना आवश्यक है ताकि सच सामने आ सके। आपको बताते चलें कि उत्तरप्रदेश में भी तेजी से मदरसों की जांच के साथ साथ अवैध मदरसों को धवस्त किया जा रहा है।

इसी तर्ज पर अब उत्तराखंड में मदरसों के सर्वे कराए जाएंगे। दरअसल, उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के नए अध्यक्ष बनने के बाद शादाब शम्स ने वक्फ बोर्ड से जुड़ी ऐसी संपत्तियों का सर्वे कराने की बात कही है जिन पर अवैध रूप से कब्जा किया गया है। साथ ही शादाब शम्स ने सरकार से सहायता प्राप्त मदरसों का सर्वे होने की भी बात कही है। शादाब शम्स के इस बयान की तारीफ भी की जा रही है। लेकिन उनका एक बयान ऐसा है जिसको लेकर उत्तराखंड में मुस्लिम समुदाय उनके विरोध में खड़ा हो गया है।

असल में शादाब शम्स ने देश की सबसे प्रतिष्ठित मजारों में से हरिद्वार के पिरान कलियर को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पिरान कलियर मानव तस्करी और नशे का अड्डा बनता जा रहा है। इसको लेकर उन्होंने पुलिस अधिकारियों से बातचीत की है। इसके लिए उन्होंने एक स्थानीय अभिसूचना इकाई की रिपोर्ट का भी हवाला दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें दारुल उलूम कादरिया सांवरिया के प्रबंधक ने भी पत्र भेजकर यह जानकारी दी है।

उनके इस बयान पर सरकार की ओर से कोई भी टिप्पणी नहीं आई है। लेकिन बोर्ड की संपत्ति पर अवैध कब्जे को लेकर सरकार ने साफ किया है कि ऐसे अवैध कब्जों पर कार्रवाई जरूर की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शादाब शम्स के मदरसों में होने वाले सर्वे पर साफ कहा है कि मदरसों में सर्वे की जरूरत है और उत्तराखंड के मदरसों में जल्द ही सर्वे कराया जाएगा।

मोदी सरकार ने केंद्रीय एजेंसियों को विपक्ष के पीछे लगा रखा है : गहलोत

जयपुर, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने सीबीआई और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों को विपक्ष के पीछे लगा रखा है। गहलोत ने आरोप लगाया कि बीते आठ साल में इन एजेंसियों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक भी व्यक्ति पर छापा नहीं मारा जबकि बाकी लोगों पर छापे मारे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नावां (नागौर) में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, इन एजेंसियों (केन्द्रीय जांच एजेंसियों) को छोड़कर रखा है भारत सरकार ने विपक्ष के ऊपर ... आयकर विभाग ...सीबीआई ... हमने इन पर आरोप लगाया है कि आप इन एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहे हैं। आपको आठ साल में एक व्यक्ति भाजपा का नहीं मिला जबकि भाजपा तो व्यापारियों की, उद्यमियों की, पैसे वालों की पार्टी मानी जाती है...आपने किसी भाजपा वाले पर छापा नहीं डाला... बाकी शिवसेना हो, सपा हो, कांग्रेस वाला हो या और कोई भी हो सब पर छापे पड़ रहे हैं देश में।''इसके अलावा गहलोत ने कहा कि चिरंजीवी योजना से जुड़े 1.35 लाख परिवारों की महिला मुखिया को स्मार्टफोन जल्द ही बंटने लगेंगे।

उन्होंने कहा, 1.35 करोड़ परिवारों की महिलाओं को स्मार्टफोन जल्द बंटने शुरू हो जाएंगे जिसमें तीन साल की इंटरनेट सेवा निःशुल्क होगी। उन्होंने कहा कि आज के समय में स्मार्टफोन का उपयोग पढ़ाई करने, दुनिया भर की जानकारी प्राप्त करने में किया जा सकता है क्योंकि जिसके पास ज्ञान है वही ज्यादा ताकतवर है। गहलोत ने कहा, हमने हर काम इस रूप में कयिा जिससे राजस्थान का चहुंमुखी विकास हो और उसी दिशा में हम आगे बढ रहे हैं।

गहलोत के अनुसार, विधानसभा में हमारे विपक्षी साथी कहते हैं कि (गहलोत सरकार का) बजट तो बहुत शानदार है लेकिन पैसा कहां से आएगा। मैंने कहा, पैसा जादू से आएगा वो चिंता आप क्यों करते हैं। वह चिंता जादूगर करेगा। वह चिंता मैं करूंगा। मैंने बजट पेश किया है वित्तीय प्रबंधन मैं करूंगा। राजस्व कैसे बढे उसके तरीके मैं सोचूंगा।

महंगाई को लेकर केंद्र पर बरसे चिदंबरम, वित्त मंत्री से पूछे सवाल

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने खुदरा महंगाई दर सात प्रतिशत होने को लेकर मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर उन्हें इस स्थिति में भी खतरा नहीं दिखाई देता है तो वह औसत भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व बिल्कुल नहीं करतीं। पूर्व वित्त मंत्री ने ट्वीट किया, अभी कुछ दिन पहले ही, माननीय वित्त मंत्री ने कहा कि महंगाई उनके लिए चिंता का कोई बड़ा विषय नहीं है। भारत की खुदरा महंगाई दर कल बढ़कर सात प्रतिशत हो गई। खाद्य महंगाई दर 7.62 प्रतिशत है।

चिदंबरम ने कहा, यदि माननीय वित्त मंत्री को अभी भी 'खतरा' दिखाई नहीं देता है, तो हम केवल यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि वह भारत में औसत परिवार का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। सब्जी, मसाले जैसे खाने के सामान के दाम बढ़ने से खुदरा महंगाई दर अगस्त महीने में बढ़कर सात प्रतिशत पर पहुंच गयी। इसके साथ पिछले तीन महीने से खुदरा मुद्रास्फीति में आ रही कमी थम गयी है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। एक महीने पहले जुलाई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 6.71 प्रतिशत और पिछले साल अगस्त में 5.3 प्रतिशत थी।

सैमसंग ने अपने लाइफस्टाइल टेलीविजन द फ्रेम में पट्टाचित्र आर्ट पेश की

सिलीगुड़ी, 13 सितम्बर । सैमसंग ने ओडिशा और पश्चिम बंगाल के ट्राइबल इलाकों से पट्टाचित्र आर्ट को अपने लाइफस्टाइल टेलीविजन द फ्रेम में पेश किया है, जो चालू होने पर टीवी है और बंद होने पर आर्ट है। द फ्रेम पर पट्टाचित्र आर्ट लाइफस्टाइल टीवी के आर्ट स्टोर पर देश भर से स्थानीय भारतीय लोक और ट्राइबल आर्ट के संग्रह का हिस्सा है, जिसमें 1400 से अधिक कलाकृतियां हैं। इस पहल का उद्देश्य भारतीय लोक आर्ट को पुनर्जीवित करना और इसे फ्रेम के माध्यम से आपके लिविंग रूम में लाना है।

पट्टाचित्र एक आर्टफॉर्म है जिसमें कपड़े के एक टुकड़े पर पेंटिंग की जाती है 'पट्टा' का अर्थ कपड़े और उसमें 'चित्रा' करने की कलाको पट्टाचित्र कहते है।

पट्टाचित्र कैनवास पर बनाई गई पेंटिंग है, और यह समृद्ध रंगीन एप्लीकेशन, रचनात्मक रूपांकनों और डिजाइनों और साधारण विषयों के चित्रण द्वारा प्रकट होता है, ज्यादातर इनमे पौराणिक चित्रण होता है। क्यूएलईडी तकनीक के साथ बेहतर पिक्चर क्वालिटी की पेशकश, जो असाधारण पिक्चर क्वालिटी के लिए 100 प्रतिशत कलर वॉल्यूम के साथ जीवंत रंगों, बेहतर कंट्रास्ट और त्रुटिहीन डिटेल्स को सक्षम बनाता है, फ्रेम सैमसंग की क्वांटम डॉट टेक्नोलॉजी, शक्तिशाली क्वांटम प्रोसेसर 4के, 4के एआई अपस्केलिंग क्षमताओं और स्पेसफिट के साथ आता और साउंड जो आपके कमरे के वातावरण का विश्लेषण करने के बाद साउंड सेटिंग्स को ऑटो ऑप्टिमाइज करती है।

चाइल्ड ऑय हेल्थ के कस्ट-बेनिफिट एनालिसिस पर ओर्बिस की रिपोर्ट

सिलीगुड़ी, 13 सितम्बर । ओर्बिस ने भारत में एक रिपोर्ट जारी की है, जो बताती है कि बचपन में अंधेपन के कारण देश को क्यूमिलेटिव ग्रॉस नेशनल इनकम (जीएनआई) में सालाना अनुमानित 118 बिलियन अमरीकी डॉलर का नुकसान होता है। चाइल्ड ऑय हेल्थ में निवेश का कस्ट-बेनिफिट एनालिसिस शीर्षक वाली रिपोर्ट 2020 के अनुमानों पर आधारित है और 35 वर्षों की अवधि में फैले बचपन के अंधेपन के परिणामस्वरूप खोए हुए उत्पादक वर्षों के कारण भारत द्वारा किए गए आर्थिक नुकसान को दर्शाती है, और 40 कार्य वर्षों के लिए यूएसडी 158 बिलियन तक बढ़ जाती है।

रिपोर्ट को विजन 2020 के 16वें संस्करण: द राइट टू साइट - इंडिया नेशनल कॉन्फ्रेंस में लॉन्च किया गया था। विजन 2020 संबंधित हितधारकों का एक राष्ट्रीय मंच है - सरकार, आईएनजीओ, एनजीओ, कॉर्पोरेट - वकालत, ज्ञान साझा करने और सर्वोत्तम प्रथाओं के माध्यम से आंखों की देखभाल में सुधार के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

इस रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि अंधेपन के कारण प्रत्यक्ष जीएनआई हानि 1997 में 496 बिलियन से बढ़कर 2020 में 768 बिलियन रुपये हो गई है। इसके अनुसार भारत में आई एलमेंट्स के लिए अस्पताल में भर्ती होने की दर सालाना ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति 1000 लोगों पर 3.6 और शहरी क्षेत्रों में प्रति 1000 लोगों पर 3.5 थी। डॉ. ऋषि राज बोरा, कंट्री डायरेक्टर-इंडिया, ओर्बिस के अनुसार, ओर्बिस उपचार और परिहार्य अंधेपन की रोकथाम में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान-आधारित हस्तक्षेपों के साथ ऑय केयर इकोसिस्टम की फाउंडेशन को मजबूत करने का प्रयास करता है।

डेटॉल ने लॉन्च किया भारत का पहला हाइजीन ओलंपियाड

सिलीगुड़ी, 13 सितम्बर । दुनिया की अग्रणी कस्टमर हेल्थ और हाइजीन कंपनी रेकिट ने अपने प्रमुख अभियान डेटॉल बनाएगा स्वस्थ इंडिया के तहत भारत का पहला और सबसे बड़ा हाइजीन ओलंपियाड- डेटॉल हाइजीन ओलंपियाड लॉन्च किया है। डेटॉल स्कूल हाइजीन करिकुलम का एक स्वाभाविक विस्तार, यह पहल स्वच्छता की कमियों को दूर करने में रेकिट के विश्वास को और मजबूत करती है जो बेहतर स्वास्थ्य के लिए भारत की यात्रा में अनिवार्य हैं। डेटॉल हाइजीन ओलंपियाड, रेकिट इंडिया की प्रमुख पहल डेटॉल बनाएगा स्वस्थ इंडिया के तहत, 'हाइजीन चौंपियंस / लीडर्स' की भी पहचान करेगा, जो स्कूलों और जिलों में अच्छी स्वच्छता के पैरोकार बनेंगे।

डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया द्वारा संचालित, डेटॉल स्कूल हाइजीन प्रोग्राम के आउटरीच पार्टनर्स - प्लान इंडिया, सेसम वर्कशॉप इंडिया, ग्रामालय, अपोलो फाउंडेशन, अमर ज्योति युवा संघ, ममता एचआईएमसी, बालीपारा फाउंडेशन, जागरण और ग्लोबल इंटरफेथ वाश एलायंस (जीआईडब्ल्यूए) द्वारा समर्थित ओलंपियाडिस, अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी (ईवाई) के साथ तकनीकी भागीदार के रूप में और भारतीय प्रतिभा ओलंपियाड द्वारा क्यूरेट किया गया है।

5 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए खुला, ओलंपियाड अनुभव छात्रों को स्वच्छता, स्वास्थ्य और प्रियजनों को सुरक्षित रखने के बीच अन्योन्याश्रयता को समझने में मदद करेगा।

रेकिट - दक्षिण एशिया के सीनियर वाईस प्रेसिडेंट श्री गौरव जैन ने कहा, डेटॉल हाइजीन ओलंपियाड का शुभारंभ स्थायी निवेश के माध्यम से समाज में सकारात्मक प्रभाव डालने की दिशा में एक और कदम है जो बच्चों के बीच प्रो हाइजीन व्यवहार को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

कारवां, सारेगामा ने लॉन्च किया कारवां मोबाइल

सिलीगुड़ी, 13 सितम्बर । कारवां, सारेगामा ने एक उपयोगिता-आधारित उत्पाद कारवां मोबाइल लॉन्च किया है, जो न केवल कार्यात्मक जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि साथ ही प्री-लोडेड गानों की एक अतिरिक्त सुविधा देता है जो कीपैड फोन बाजार में अनसुना है।

कारवां मोबाइल प्री-लोडेड गानों के साथ अब तक का पहला कीपैड मोबाइल है और कारवां मोबाइल उन सभी मोबाइल में से एक है जो अभी भी कीपैड फोन के अनुभव की कसम खाते हैं। प्री-लोडेड गानों को चलाने के लिए किसी इंटरनेट की आवश्यकता नहीं होती है और सुनने के अनुभव को बाधित करने के लिए कोई विज्ञापन ब्रेक नहीं होता है।

1,500 प्री-लोडेड हिंदी गानों के अलावा, फोन वायरलेस एफएम, डिजिटल कैमरा, एलईडी टॉर्च, ऑक्स आउट, मल्टी-लैंग्वेज सपोर्ट, वॉयस रिकॉर्डिंग, कॉल रिकॉर्डिंग, डुअल सिम, 8 जीबी मेमोरी कार्ड के साथ 8 जीबी फ्री स्पेस जैसी सुविधाओं से भरपूर है। किसी भी व्यक्तिगत संगीत संग्रह, वीडियो या छवियों और कई अन्य सुविधाओं के लिए।

लंबे समय तक चलने वाले टॉकटाइम के लिए फोन में बड़ी डिस्प्ले और 2500 एमएएच की बैटरी है। यह मीडियाटेक प्रोसेसर के साथ आता है और 1 साल की वारंटी के साथ भी समर्थित है। कारवां मोबाइल दो स्क्रीन साइज-2.4 इंच और 1.8 इंच में आता है, जिनकी कीमत क्रमशरू 2490 रुपये और 1990 रुपये है।

चुनने के लिए तीन उत्तम दर्जे के रंग हैं- एमराल्ड ग्रीन, क्लासिक ब्लैक और रॉयल ब्लू। यह वर्तमान में हिन्दी और तमिल में खुदरा बाजार और saregama.com, ऐमज़ान और फ्लिपकार्ट जैसे ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

मेलेरा ने सिलीगुड़ी में अपना 20वां स्टोर खोला

सिलीगुड़ी, 13 सितम्बर । भारत के सबसे तेजी से बढ़ते डीष्सी ब्रैंडों में से एक मेलोरा ने सिलीगुड़ी के सिटी सेंटर में अपना पहला अनुभव सेंटर शुरू किया है। मेलोरा का 20वां स्टोर महिलाओं के लिए 21वीं सदी के हल्के, बढ़िया, ट्रेंडी, मॉड्यूलर और फैशनेबल गोल्ड ज्वेल्लेरी ला रहा है। मेलोरा के अब पूरे भारत में ऐसे 20 सेंटर हैं और आने वाले वर्षों में 350 और लॉन्च करने की योजना है।

मेलोरा हल्के और किफायती फैशनेबल गोल्ड ज्वेल्लेरी प्रदान करता है (अधिकांश मांग 20-50 के मूल्य सीमा से आती है)। मेलोरा ने अब तक देश के 3000 से अधिक शहरों/कस्बों/गांवों में डिलीवरी की है और हर जगह अपनी पहचान बनाई है।

इस बारे में बोलते हुए, मेलोरा की फाउंडर और सीईओ, सरोजा येरामिली ने कहा, हम अपने उपभोक्ताओं को गोल्ड ज्वेल्लेरी को देखने के तरीके से दुरी बनाने में कामयाब रहे हैं। हम अपने नए लॉन्च किए गए सिलीगुड़ी सेंटर में अनुभव करने के लिए उनका स्वागत करते हैं।

फ्लिपकार्ट एप्लिकेशन पर एक बजट-फ्रेंडली होटल बुकिंग सुविधा प्रदान करता है

सिलीगुड़ी, 13 सितम्बर । फ्लिपकार्ट ने ट्रैवेल सेक्टर में अपनी पेशकशों को बढ़ावा देने के लिए अपने प्लेटफॉर्म पर एक नई होटल-बुकिंग सुविधा, फ्लिपकार्ट होटल्स को लॉन्च करने की घोषणा की है। होटल सेवाओं की शुरुआत के साथ, लिपकार्ट का लक्ष्य अपने ग्राहकों को सस्ती यात्रा और बुकिंग से संबंधित नीतियों, आसान ईएमआई विकल्प आदि सहित कई किफायती लाभ प्रदान करना है ताकि यात्रा सस्ती हो और बजट के अनुकूल विकल्प हो।

क्लियरट्रिप के एपीआई द्वारा समर्थित, लिपकार्ट होटल्स को क्लियरट्रिप की ट्रैवेल कस्टमर और सेक्टर की गहरी समझ से लाभ होगा।

फ्लिपकार्ट ऐप पर उपलब्ध, यह नई पेशकश लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप के माध्यम से परेशानी मुक्त बुकिंग अनुभव और समय पर संचार प्रदान करती है। यह प्लेटफॉर्म यूजर्स को फ्लिपकार्ट प्लेटफॉर्म पर थर्ड पार्टी ऑफर्स का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है। फ्लिपकार्ट होटल्स का लक्ष्य अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करना भी है। ग्राहकों की सुविधा के लिए और एक शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए, उपयोगकर्ता से संबंधित प्रश्नों के साथ ग्राहकों का समर्थन करने के लिए एक समर्पित कस्टमर सर्विस सेंटर स्थापित किया गया है। फ्लिपकार्ट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, आदर्श मेनन ने कहा, हमारे बैकिंग पार्टनर की वित्तीय पेशकशों के साथ, ग्राहक इस सेगमेंट में शानदार मूल्य प्राप्त करेंगे और लिपकार्ट की क्षमताओं को भारतीय ग्राहकों की ट्रैवेल बुकिंग जरूरतों के लिए पसंदीदा वन-स्टॉप शॉप के रूप में बढ़ाएंगे।

2023 तक अपने बीमा सलाहकार नेटवर्क को दोगुना करने के लिए रिन्यूबाय

सिलीगुड़ी, 13 सितम्बर । रिन्यूबाय ने 2023 के अंत तक अपने बीमा सलाहकार कर्मचारियों की संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। गुड़गांव मुख्यालय वाली कंपनी की देश भर में लगभग 70 शाखाएँ हैं और इसके सभी क्षेत्रों और कार्यालयों में अधिग्रहण की योजना है। कंपनी की स्थापना के पिछले छह वर्षों में, रिन्यूबाय ने 780 जिलों में लगभग 95000 सलाहकारों का एक राष्ट्रीय बीमा सलाहकार नेटवर्क बनाया है।

अगले कुछ साल रिन्यूबाय की घातीय वृद्धि पर केंद्रित हैं; देश भर में तकनीकी विकास, उत्पाद की पेशकश, त्वरित उपभोक्ता पहुंच और बीमा सलाहकार अधिग्रहण के मामले में। इस प्रकार, हायरिंग प्रक्रिया का उद्देश्य अधिक से अधिक बीमा सलाहकारों को बीमा जनता तक पहुँचाना और उपभोक्ता आधार को बढ़ाना है, विशेषकर छोटे क्षेत्रों में, जहाँ बीमा अभी भी सुलभ नहीं है। इस अवसर पर बोलते हुए, रेन्यूबाय के सीईओ बालचंदर शेखर ने कहा, ष्उपभोक्ताओं की पहुंच तभी बढ़ सकती है जब हमारे पास देश भर में अधिक डिजिटल रूप से सक्षम बीमा सलाहकार हों।

लिम्बू-तमांग के लिए छह सीटें आरक्षित करे सरकार : सी.बी. सुब्बा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 सितम्बर । सिक्किम लिम्बू-तमांग एपेक्स कमिटी (सिलटेक) ने सिक्किम विधानसभा में लिम्बू एवं तमांग समुदायों के लिए कम से कम छह स्वतंत्र सीटें आरक्षित करने का प्रस्ताव पेश किया है। हालांकि कमिटी का यह भी कहना है कि इस प्रस्ताव के माध्यम से उनका विधानसभा की मौजूदा 32 सीटों को प्रभावित नहीं करना है।

सिलटेक चेयरमैन सीबी सुब्बा ने कहा कि राज्य सरकार को विधानसभा में एक प्रस्ताव पास करते हुए लिम्बू एवं तमांग समुदायों के लिए कम से कम छह नयी स्वतंत्र सीटें आरक्षित करते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजातियों को प्रतिनिधित्व देना चाहिए। इसे मौजूदा 17 सामान्य सीटों, 13 भूटिया-लेप्चा सीटों तथा दो अनुसूचित जाति सीटों को प्रभावित किये बगैर होना चाहिए। इसके लिए राज्य सरकार विधानसभा की सीटों की संख्या बढ़ाकर 38 कर सकती है। संगठन ने इसके साथ ही कहा है कि 2024 चुनावों से पहले लम्बे समय से चली आ रही संवैधानिक मांग को पूरा करना होगा।

वहीं सीट आरक्षण के लिए परिसीमन आयोग की आशंकाओं को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि एक बड़ा भ्रम है कि सिक्किम को अपनी विधानसभा सीटें बढ़ाने के लिए 2026 तक का इंतजार करना होगा।

संविधान के अनुच्छेद 371एफ द्वारा प्रदत्त विशेष शक्ति का उपयोग करते हुए सिक्किम परिसीमन आयोग की अनुशंसा के बगैर भी ऐसा कर सकता है। उनके अनुसार लिम्बू और तमांग समुदायों के लिए सीटें आरक्षित करने के लिए राज्य और केंद्र सरकारों की इच्छाशक्ति की जरूरत है। सीट आरक्षण के नए फॉर्मूले पर जल्द से जल्द काम करना दोनों सरकारों की जिम्मेदारी है।

वहीं इस सम्बंध में संगठन की ओर ने गत 28 अगस्त को लोकसभा सांसद इंद्र हांग सुब्बा के साथ हुई बैठक से भी अवगत कराया। सांसद सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के लिम्बू-तमांग सीट आरक्षण सलाहकार समिति के चेयरमैन भी हैं। इस दौरान उन्हें संगठन की ओर से एक ज्ञापन भी सौंपा गया।

सीबी सुब्बा ने आगे कहा कि लिम्बू-तमांग समुदायों के लिए सीटों का आरक्षण लम्बे समय से चली आ रही मांग है। ऐसे में हमारा राजनीतिक अधिकारों से वंचित होना काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बर्मन आयोग पिछली सरकार की गलती थी, जिसने सीट आरक्षण के मुद्दे को और विलंबित कर दिया। अब इसे जल्द से जल्द पूरा करने की जरूरत है ताकि दोनों समुदाय आगामी चुनाव में अपनी आरक्षित सीटों पर चुनाव लड़ सकें।

वहीं सिलटेक की ओर से इस मुद्दे में सरकार को हरसम्भव मदद और समर्थन देने का आश्वासन भी दिया गया है।

आप ने गुजरात में भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देने का किया वादा

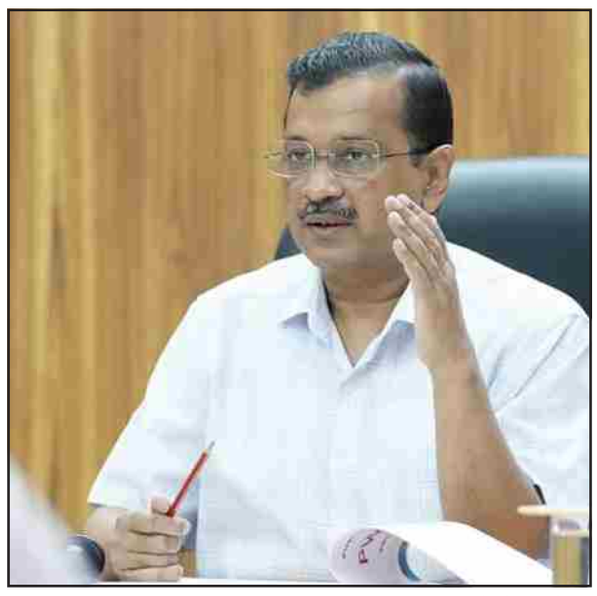

अहमदाबाद, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। आम आदमी पार्टी के संस्थापक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को वादा किया कि अगर उनकी पार्टी गुजरात में सत्ता में आती है तो वो भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देंगे।

यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, सरकार में कोई भी व्यक्ति जो भ्रष्ट आचरण में लिप्त होगा, चाहे वह आप का हो या अन्य दलों का, उसे जेल भेजा जाएगा।

केजरीवाल ने पंजाब सरकार के एक फैसले का भी हवाला दिया जब वहां के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भ्रष्ट आचरण के लिए एक मंत्री को बर्खास्त कर दिया।

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि पब्लिक फंड का इस्तेमाल विकास के लिए ही किया जाएगा, इसे न तो कॉर्पोरेट मित्रों को वितरित किया जाएगा और न ही विदेश भेजने की अनुमति दी जाएगी।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में लोगों को सरकारी विभागों में अपना काम करवाने के लिए रिश्वत देनी पड़ती है।

कांग्रेस नेता अजय कुमार की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कि पंजाब सरकार विज्ञापनों पर पैसा बर्बाद कर रही है, वो भी तब जबकि कॉलेज प्रोफेसरों को भुगतान करने के लिए पैसे नहीं है, केजरीवाल ने कहा, कांग्रेस खत्म हो गई है, कांग्रेस पार्टी का सवाल लेना बंद करो।

नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता और कार्यकर्ता मेधा पाटकर को गुजरात विधानसभा चुनाव में आप की ओर से मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवार के तौर पर पेश किए जाने के भाजपा के दावों पर केजरीवाल ने कहा : यह कहना कि आप पार्टी गुजरात में मेधा पाटकर को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बना रही है, यह वैसे ही है जैसे भाजपा सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री बनाने जा रही हो।

अमेठी में अवैध रूप से बने मदरसे को किया गया ध्वस्त, अदालत के आदेश पर हुई कारवाई

अमेठी, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के अमेठी में जिला प्रशासन ने चारागाह की जमीन पर अवैध रूप से बनाए गए मदरसे को ध्वस्त कर दिया। गौरीगंज क्षेत्र में टांडा-बांदा राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे गुर्जर टोला गांव में मदरसे को पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया गया।

यह मदरसा 2009 से चल रहा था। इसको लेकर एक स्थानीय अदालत में मामला चल रहा है। लेकिन पिछले दो साल से भवन में कोई शैक्षणिक कार्य नहीं हो रहा था।

अमेठी के जिला मजिस्ट्रेट राकेश कुमार मिश्रा ने कहा, अदालत के आदेश के बाद, मदरसे को ध्वस्त कर दिया गया। यह एक चरागाह के लिए जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था।

अमेठी प्रशासन ने मदरसे के मालिक पर 2.24 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों में शिक्षकों की संख्या, पाठ्यक्रम, वहां उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं और किसी भी गैर-सरकारी संगठनों से उनकी संबद्धता के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए एक सर्वे (अभी चल रहा है) का आदेश दिया है।

वह इन मदरसों के वित्तीय स्रोतों की भी जांच कर रही है।

ग्रामीण विकास विभाग .....

से आने वाले ग्रामीणों को हो रही समस्या के शीघ्र समाधान हेतु प्रशासन एवं ग्रामीण विकास विभाग से कदम उठाने की मांग की है। नागरिकों का आरोप है कि वर्तमान समय में सर्वाधिक महत्वपूर्ण विद्युत आपूर्ति के पिछले सप्ताह भर से ठप रहना जिला प्रशासन और विभाग की नाकामी को ही दर्शाता है। इसके समाधान हेतु सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। उनके अनुसार सप्ताह भर में केवल एक ट्रांसफार्मर नहीं बदल पाना विभाग की लापरवाही है। इसी कारण आज पश्चिम सिक्किम के लोग अन्य विभिन्न सरकारी सुविधाओं से वंचित हैं।

इसके साथ ही आमलोगों का यह भी कहना है कि जहां एक ओर वर्तमान सरकार एवं मुख्यमंत्री द्वारा जनता को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने तथा प्रशासन एवं विभाग से समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु कदम उठाने की बात कही जाती है, वहीं दूसरी ओर इस प्रकार की घटनाओं से सरकार की बदनामी ही हो रही है। उनके अनुसार इस परिसर में ग्रामीण जनता से सम्बंधित ग्रामीण विकास विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना विभाग, गेजिंग प्रखंड विकास विभाग एवं कई अन्य विभागों के कार्यालय स्थित हैं। ऐसे में इस प्रकार की समस्या से ग्रामीणों को हो रही परेशानी चिंता की बात है।

सिक्किम के मामलों .....

वाली पीढ़ी का भविष्य दांव पर है। उन्होंने कहा कि हम साथ रहना चाहते हैं, अशांति नहीं चाहते लेकिन हम इस प्रकार कृत्य को भी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर सरकार ऐसे लाइसेंस रद्द करती है तो वे सरकार के आभारी होंगे। उन्होंने कहा कि अगर इस तरह के लाइसेंस रद्द कर दिए गए तो वह मिंतोकगांग जाएंगे और मुख्यमंत्री को खदा लगाकर उनका आभार प्रकट करेंगे। हालांकि उन्होंने सरकार पर सिक्किम के पक्ष में काम नहीं करने का भी आरोप लगाया।

सरकार समय पर ऐक्शन लेती तो बच जाती कई लोगों की जान, कोरोना पर गठित संसदीय समिति की रिपोर्ट

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान अगर रोकथाम के उपायों को समय पर लागू किया जाता तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी। एक संसदीय समिति ने यह बात कही है। समिति ने हालात की गंभीरता का अंदाजा नहीं लगा पाने के लिए सरकार की आलोचना भी की। स्वास्थ्य मामलों पर संसद की स्थायी समिति ने सोमवार को राज्यसभा में 137वीं रिपोर्ट पेश की।

रिपोर्ट में कहा कि इसके कोई संदेह नहीं है कि कोविड की दूसरी लहर के दौरान कई चीजों की अनदेखी हुई। इस दौरान संक्रमण और मौत के बढ़ते मामलों में वृद्धि, अस्पतालों में ऑक्सीजन व बिस्तरों की कमी, दवाओं व अन्य जरूरी चीजों की आपूर्ति का अभाव, आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में रुकावट, ऑक्सीजन सिलेंडर व दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी आदि देखी गई।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'समिति का विचार है कि अगर सरकार शुरुआती चरण में ही वायरस के अधिक संक्रामक स्वरूप की पहचान कर पाती और रोकथाम रणनीति को सही तरीके से लागू किया जाता तो नतीजे कम गंभीर होते। साथ ही कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी।'

समिति ने पाया कि भारत दुनिया में कोविड-19 से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। देश की विशाल आबादी के कारण महामारी के दौरान बड़ी चुनौती पेश आई।

समिति ने कहा कि लचर स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य कर्मियों की भारी कमी के कारण देश में जबरदस्त दबाव देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार कोविड-19 महामारी और इसकी लहरों के संभावित जोखिम का सटीक अनुमान नहीं लगा पाई। समिति ने कहा कि पहली लहर के बाद जब देश में कोरोना के मामलों में गिरावट दर्ज की गई, तब सरकार को देश में महामारी के दोबारा जोर पकड़ने के खतरे और इसके संभावित प्रकोप पर नजर रखने के अपने प्रयास जारी रखने चाहिए थे।

समिति ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों को सतर्कता बनाए रखने और अपने संबंधित क्षेत्रों में कोविड-19 के दोबारा फैलने से उत्पन्न होने वाली किसी भी आपात स्थिति के लिए रणनीति तैयार करने का निर्देश दिया था। रिपोर्ट में कहा गया है, 'समिति इस बात से नाखुश है कि कई राज्य दूसरी लहर के दौरान उत्पन्न होने वाली अनिश्चितताओं और चिकित्सा आपात स्थितियों से निपटने में असमर्थ रहे, जिसके चलते 5 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई।'

बाधाएं हमें रोक नहीं पाएंगी, हम भारत को जोड़ेंगे : राहुल

तिरुवनंतपुरम, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। केरल में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के तीसरे दिन मंगलवार को भी यात्रा के लिए उत्साहजनक भीड़ उमड़ पड़ी और रुक-रुक कर हो रही बारिश के बीच कांग्रेस नेता तथा सैकड़ों समर्थक बिना छतरी के सड़कों पर पदयात्रा करते दिखे।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3,500 किलोमीटर दूरी की पदयात्रा शुरू की है। उन्होंने कहा कि यात्रा में शामिल लोगों के पैरों में छाले पड़ गए हैं लेकिन अभियान जारी रहेगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पदयात्रियों का अभिवादन करने के लिए सड़कों के किनारे बड़ी संख्या में लोगों का हुजूम खड़ा दिखा।

बारिश के दौरान गांधी सहित कांग्रेस के नेता बिना छतरी के सड़कों पर पदयात्रा कर रहे थे।

फेसबुक पर एक पोस्ट में गांधी ने हिन्दी की एक कविता की पंक्तियों का जिक्र करते हुए लिखा, भले ही पैरों में छाले हैं, लेकिन हम देश जोड़ने निकले हैं, हम नहीं रुकने वाले हैं। उन्होंने इससे संबंधित एक वीडियो क्लिप भी साझा किया।

केरल में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का तीसरा दिन है। यात्रा यहां कझाकूटम के निकट कन्यापुरम से सुबह करीब सवा सात बजे शुरू हुई। इस दौरान केरल चरण के पिछले दो दिनों की तरह ही लोगों की उत्साहजनक भीड़ देखी गई। भारत जोड़ो यात्रा के तहत 150 दिनों में पदयात्रा करते हुए कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3,570 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी।

जब यात्रा यहां अत्तिंगल में दिन के अपने पहले पड़ाव बिंदु पर पहुंची, तो अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने ट्वीट किया, पदयात्रा अभी अत्तिंगल के पास ममोम में सुबह के पड़ाव बिंदु पर पहुंची है, जहां विभिन्न समूहों के साथ कई दौर बातचीत होगी।

यात्रा शाम पांच बजे फिर से शुरू होगी और शाम को यहां कल्लम्बलम जंक्शन पर समाप्त होगी। सोमवार शाम को यात्रा समाप्त होने तक 100 किलोमीटर की दूरी तय की जा चुकी थी।

कझाकूटम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए कहा था कि चुनाव नफरत, हिंसा और गुस्से से जीते जा सकते हैं, लेकिन इससे देश के सामने आने वाली सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता।

सोमवार को पदयात्रा के आगे बढ़ने के साथ ही लोगों की भीड़ भी बढ़ती जा रही थी। इससे उत्साहित गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा ने साबित कर दिया है कि नफरत का इस्तेमाल राजनीतिक रूप से और चुनाव जीतने के लिए किया जा सकता है, लेकिन इससे रोजगार पैदा नहीं हो सकते। राहुल गांधी केरल की वायनाड लोकसभा सीट से सांसद भी हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में संवाद और लोगों की आवाज को खामोश कर दिया गया है क्योंकि मीडिया भी वही कह रहा है, जो देश की सरकार उससे कहलवाना चाहती है और यह सत्तारूढ़ सरकार द्वारा मीडिया संगठनों के मालिकों पर बनाए गए दबाव के कारण है।

गांधी ने ट्वीट किया, भारत का सपना टूटा है, बिखरा नहीं है। उस सपने को साकार करने के लिए, हम भारत को एक साथ ला रहे हैं। सौ किलोमीटर की यात्रा हो गई है। हमने अभी शुरुआत की है।

रमेश ने भी ट्वीट किया कि भारत जोड़ो यात्रा ने ठीक 100 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर ली है और इसने भाजपा को निराश, बेचैन और परेशान कर दिया है, जबकि कांग्रेस पार्टी पहले ही 100 गुणा अधिक जोश से भर चुकी है। हर कदम के साथ हम अपने संकल्प को और मजबूत करते जा रहे हैं।

150-दिवसीय पैदल यात्रा सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी और यह 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी।

यह यात्रा केरल में 10 सितंबर की शाम पहुंची थी। इस यात्रा के तहत राज्य में 19 दिनों की अवधि में सात जिलों से होते हुए 450 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। इसके बाद यह यात्रा एक अक्टूबर को कर्नाटक पहुंचेगी।

इशरत जहां एनकाउंटर केस की जांच से जुड़े सतीश चंद्र बर्खास्त

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्र सरकार ने गुजरात कैडर के आईपीएस अधिकारी सतीश चंद्र वर्मा को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। सतीष वर्मा इशरत जहां एनकाउंटर केस में एसआईटी का हिस्सा थे। सतीष चंद्र वर्मा 30 सितंबर को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन इससे पहले ही सरकार ने उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

सूत्रों का कहना है कि 1986 बैच के अधिकारी वर्मा को उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही के आधार पर बर्खास्त कर दिया गया है। दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की है।

केंद्र सरकार ने 30 अगस्त को बर्खास्तगी के आदेश के बारे में दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया, जहां वर्मा ने उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने सरकार को 19 सितंबर से बर्खास्तगी आदेश को लागू करने की अनुमति दी थी। वर्मा के वकील सरीम नावेद ने कहा- "हमारे पास अभी भी सितंबर तक का समय है। हमने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।'

हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए, वर्मा, जो वर्तमान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में तैनात हैं, ने शीर्ष अदालत में अपनी याचिका में कहा है ' हाई कोर्ट ने केंद्र के उस फैसले पर अपनी सहमति दी है, जिसमें याचिकाकर्ता को सेवा से बर्खास्त किया गया है। यहां यह गौर करने वाली बात है कि आगामी 30 सितंबर को याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त हो रहा है। यह अखिल भारतीय सेवाओं के वैधानिक नियमों के अनुसार स्वीकार्य नहीं है।'

गौरतलब है कि इससे पहले गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सितंबर 2018 में वर्मा को एक चार्ज मेमो जारी किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि हालांकि उन्हें जुलाई 2016 में नीपको (नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन) के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) के पद से मुक्त किया गया था, लेकिन उन्होंने लंबे वक्त तक फाइलें अपने पास रखीं और हैंडओवर नहीं किया। मामले में मीडिया से बात करने सहित उनके खिलाफ अन्य कई अनुशासनात्मक आरोप लगाए गए हैं।

इशरत मामले के जांच अधिकारी के रूप में वर्मा ने 2011 में गुजरात उच्च न्यायालय में एक हलफनामा दायर किया था कि 19 वर्षीय इशरत को जून 2004 में एक फर्जी मुठभेड़ में मार दिया गया था, इस एनकाउंटर में उनके साथ दो और लोग मारे गए थे। दावा किया गया था कि तीनों का आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबंध था। जब इशरत केस सीबीआई को ट्रांसफर किया गया तो वर्मा गुजरात हाई कोर्ट के निर्देश पर जांच टीम से जुड़े रहे।

चावल के एक्सपोर्ट पर भारत के बैन से दुनिया में अफरातफरी, बढ़ गई महंगाई

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। भारत ने बीते सप्ताह चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगाने का ऐलान किया था, जिसका असर अब पूरी दुनिया और खासतौर पर एशियाई बाजार में देखने को मिल रहा है। बाजार में चावल की कीमतों में तेजी से इजाफा हो रहा है। भारत के फैसले के 4 दिनों के अंदर ही एशिया के बाजारों में चावल के दाम 4 से 5 फीसदी तक बढ़ गए हैं। इससे एशिया में चावल का व्यापार लगभग ठप पड़ गया है क्योंकि भारतीय व्यापारी अब नए समझौतों पर दस्तखत नहीं कर रहे हैं। नतीजतन खरीददार वियतनाम, थाईलैंड और म्यांमार जैसे विकल्प खोज रहे हैं। लेकिन इन देशों के व्यापारियों ने मौके को भुनाने के कारण दाम बढ़ा दिए हैं। दुनिया के सबसे बड़े चावल निर्यातक भारत ने पिछले हफ्ते ही टूटे चावल के निर्यात पर रोक लगाने का ऐलान किया था।

इसके साथ ही कई अन्य किस्मों पर निर्यात कर 20 प्रतिशत तक लगा दिया गया। औसत से कम मॉनसून बारिश के कारण स्थानीय बाजारों में चावल की बढ़ती कीमतों पर लगाम कसने के लिए यह फैसला किया गया है।

इस साल कई इलाकों में बारिश कम हुई है। इससे धान की रोपाई कम हुई है और बीते सालों के मुकाबले देरी से भी हुई है। ऐसे में घरेलू बाजार में चावल की कीमतों के संकट को टालने के लिए भारत सरकार ने यह फैसला लिया है। भारत दुनिया के 150 से ज्यादा देशों को चावल का निर्यात करता है और उसकी तरफ से निर्यात में आने वाली जरा सी भी कमी उन देशों में कीमतों को सीधे तौर पर प्रभावित करती है।

पहले से खाने के सामान की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि झेल रही दुनिया के लिए यह एक बड़ी समस्या हो सकती है। यूरोप और अमेरिका के कई इलाके ऐतिहासिक सूखे से जूझ रहे हैं और यूक्रेन युद्ध का असर भी विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ाए हुए है। यूक्रेन युद्ध के बाद से ही अनाजों की मांग और आपूर्ति में असंतुलन बना हुआ है। पहले गेहूं और चीनी को लेकर समस्या थी और दोनों चीजों की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि हुई थी। हाल ही में भारत ने गेहूं के निर्यात पर रोग लगा दी थी और चीनी के निर्यात को भी नियंत्रित कर दिया था। अब चावल पर भी रोक से संकट और गहरा सकता है।

भारत के फैसले के बाद से एशिया में चावल के दाम पांच प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। जानकारों का कहना है कि अभी कीमतों में और ज्यादा वृद्धि होगी। भारत के सबसे बड़े चावल निर्यातक सत्यम बालाजी के निदेशक हिमांशु अग्रवाल कहते हैं, 'पूरे एशिया में चावल का व्यापार ठप पड़ गया है। व्यापारी जल्दबाजी में कोई वादा नहीं करना चाहते। पूरी दुनिया के कुल चावल निर्यात का 40 फीसदी भारत से होता है। इसलिए कोई भी इस बात को लेकर सुनिश्चित नहीं है कि आने वाले समय में दाम कितने बढ़ेंगे।' चावल दुनिया के तीन अरब लोगों का मुख्य भोजन है। 2007 में भी भारत ने चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था। तब इसके दाम एक हजार डॉलर प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए थे।

भारत सरकार के फैसले के बाद देश के प्रमुख बंदरगाहों पर जहाजों में चावल की लदाई का काम बंद हो गया है और करीब दस लाख टन चावल वहां पड़ा हुआ है। खरीददार सरकार द्वारा लगाए गए नए 20 प्रतिशत कर को देने से इनकार कर रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस चावल के दाम पर समझौते बहुत पहले हो चुके हैं और सरकार ने जो नया कर लगाया है वह पहले से तय नहीं था। अग्रवाल कहते हैं कि बढ़े हुए कर के कारण आने वाले महीनों में भारत का निर्यात 25 फीसदी तक गिर सकता है। वह कहते हैं कि सरकार को कम से कम उन समझौतों के लिए राहत देनी चाहिए जो आज से पहले हो चुके हैं और बंदरगाहों पर चावल लादा जा रहा है।

भारत की ओर से चावल के निर्यात पर बैन लगाने का फायदा भारत के प्रतिद्वन्द्वी देश थाईलैंड, वियतनाम और म्यांमार के व्यापारी उठा रहे हैं। चावल की सख्लाई सुनिश्चित करने के लिए खरीददार इन देशों की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन इन देशों के व्यापारियों ने टूटे चावल के दाम पांच फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। डीलरों का कहना है कि पिछले चार दिन में, यानी भारत के निर्यात पर रोक के फैसले के बाद से कीमतों में 20 डॉलर यानी लगभग डेढ़ हजार रुपये प्रति टन की वृद्धि हो चुकी है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TEESTA MORNING
TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:94 DrawDate on:13/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 81H 91683
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 91683 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
21147 36724 40463 47371 62329 65173 77563 79322 85106 92995
3rd Prize ₹450/-
2446 2530 3044 3238 3338 5009 6636 7969 8193 9120
4th Prize ₹250/-
2792 2896 3286 3993 4814 5357 5567 5874 6216 6952
5th Prize ₹120/-
0323 0324 0350 0410 0590 0612 0636 0683 0698 0714
0732 0965 1050 1175 1234 1270 1408 1545 1558 1622
1795 1825 1843 2029 2065 2186 2234 2449 2563 2615
2742 2807 2892 2906 3033 3038 3088 3199 3393 3510
3653 3715 3751 3791 3839 4010 4029 4219 4448 4485
4576 4635 4658 4950 5015 5107 5169 5318 5387 5501
5591 5730 5886 6004 6205 6484 6491 6609 6757 6862
6867 6875 6881 7020 7218 7254 7618 7758 7790 7955
7962 8007 8143 8329 8560 8714 8764 9049 9106 9168
9212 9305 9348 9377 9399 9408 9538 9676 9785 9898
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MOON TUESDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:94 DrawDate on:13/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 85C 60809
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 60809 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
06415 07301 11056 18896 30464 41376 52625 53636 81197 85392
3rd Prize ₹450/-
0037 0317 1990 2333 3087 4431 7548 7944 8977 9846
4th Prize ₹250/-
1066 3234 4460 4611 5222 5555 6414 6469 8532 8927
5th Prize ₹120/-
0056 0157 0176 0189 0208 0259 0442 0468 0550 0551
0559 0584 0697 0761 0815 0902 0903 0963 1019 1310
1525 1609 1853 1856 1962 2009 2124 2138 2171 2222
2433 2549 2592 2656 2667 2668 2929 2995 3139 3140
3294 3342 3390 3554 3573 3621 3710 3721 4240 4375
4380 4515 4557 4579 4620 4673 4690 4794 4834 4885
4916 4998 5180 5249 5373 5540 5732 5796 5915 6011
6064 6076 6112 6198 6365 6420 6641 6813 6911 6926
7058 7130 7294 7470 7600 7696 7747 7805 7943 8117
8165 8235 8254 8612 8614 9315 9357 9804 9974 9990
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR PARROT EVENING
TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:194 DrawDate on:13/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 75D 92788
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 92788 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02036 16249 20749 25989 70037 72008 73741 91177 93856 98743
3rd Prize ₹450/-
2292 2877 3178 3882 4176 4659 5316 7690 8250 8644
4th Prize ₹250/-
0296 1416 3653 4019 5439 5848 5897 7629 7921 8594
5th Prize ₹120/-
0077 0117 0133 0143 0174 0178 0229 0305 0306 0583
0605 0613 0622 0703 0759 0820 0854 0917 0968 1068
1138 1409 1429 1479 1499 1570 1994 2215 2335 2337
2342 2384 2399 2568 3295 3469 3508 3584 3620 3672
3904 3922 4137 4430 4694 4829 4838 4925 5174 5215
5422 5520 5534 5766 5792 5884 6163 6178 6382 6535
6556 6620 6799 6975 7159 7259 7273 7316 7334 7470
7510 7568 7611 7667 7673 7695 7966 8040 8133 8189
8296 8383 8430 8440 8544 8591 8682 8810 8829 9097
9185 9259 9395 9400 9512 9702 9766 9800 9936 9956
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

बीमार सोच बदलनी होगी

नोएडा की एक हाउसिंग सोसाइटी से शर्मिंदा करने वाली एक और खबर आई है। ताजा मामले में आरोप है कि 38 साल की एक महिला ने जो दिल्ली यूनिवर्सिटी में इकॉनमिक्स की प्रफेसर हैं, गेट खोलने में जरा सी देर होने पर सिक्यॉरिटी गार्ड को न केवल गालियां दीं बल्कि कई थप्पड़ जड़ दिए। नोएडा की अलग-अलग सोसाइटी से इस तरह की कई खबरें पिछले कुछ समय में आ चुकी हैं। कुछ दिन पहले एक विडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक महिला वकील ने इसी तरह सिक्यॉरिटी गार्ड्स के साथ बदसलूकी की और उन्हें गालियां दी थीं। कई ऐसी घटनाएं होती हैं, जो पुलिस तक नहीं पहुंचतीं या जिनके विडियो वायरल नहीं होते। मगर ये बताती हैं कि राजधानी दिल्ली के चारों ओर बनी गगनचुंबी इमारतों और महंगी हाउसिंग सोसाइटियों में रह रही समाज की अपेक्षाकृत संपन्न आबादी के एक हिस्से में बेहद बीमार सोच पल रही है। इसी सोच की झलक हमें कभी किसी पुरुष द्वारा महिला के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल में दिखती है तो कभी किसी नशे में धुत्त महिला द्वारा सिक्यॉरिटी गार्ड्स को उनकी औकात बताने की भद्दी कोशिश में।

वैसे, हाल की कुछ घटनाएं भले नोएडा और आसपास की हों, यह बीमारी देश के अन्य हिस्सों में भी फैली हुई है। मुंबई जैसे शहर इस लिहाज से आम तौर पर काफी संयत माने जाते हैं लेकिन भेदभाव के अलग-अलग रूप उन शहरों की तथाकथित हाई क्लास सोसाइटियों में भी देखे जाते रहे हैं। काम वाली बाइयों, स्टाफ के अन्य कर्मचारियों और उनके परिजनों के आने-जाने के लिए अलग रास्ते और अलग लिफ्ट की व्यवस्था इसी भेदभाव भरी सोच का उदाहरण है। ऐसे ही बड़े शहरों में किराए पर मकान देते हुए जिस तरह की शर्तें लगाई जाती हैं, वे भी सोच की इन गड़बड़ियों के सबूत हैं। इन शर्तों में न केवल शादीशुदा जोड़ों या परिवार को ही किराये पर मकान या फ्लैट देने का आग्रह दिखता है बल्कि सिंगल लोगों, खासकर लड़कियों पर मोरल पुलिसिंग लादने की प्रवृत्ति भी दिखती है। इसके साथ ही खास जाति या धर्म के लोगों को मकान और फ्लैट न बेचने या किराए पर न देने की मानसिकता भी प्रमुखता से झलकती है। ये सब हमारे समाज की ऐसी गड़बड़ियां हैं जो लंबे समय से मौजूद हैं, लेकिन आजादी के बाद देश के विकास के साथ आए आधुनिक और प्रगतिशील मूल्यों के प्रभाव में धुंधली पड़ती जा रही थीं। अफसोस और चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ समय से यह क्रम उलटा शुरू हो गया लगता है। यानी ये गड़बड़ियां जो कम हो रही थीं, अब फिर से जोर पकड़ती दिखने लगी हैं। चाहे जिस किसी भी बहाने से हो खुद को ऊंचा और दूसरों को नीचा समझने की यह सोच खतरनाक है। यह समाज के रूप में हमारी सारी उपलब्धियों पर पानी फेर सकती है। इसका कोई न कोई इलाज जल्द से जल्द ढूंढना होगा।

फिर वही जुड़ाव तलाशती पदयात्रा

रशीद किदवई

सुदूर दक्षिणी छोर कन्याकुमारी से कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुरू हो गई है। राहुल गांधी इस यात्रा से अगले 150 दिनों में करीब 3,500 किलोमीटर की दूरी नापेंगे। इसके जरिये महंगाई, बेरोजगारी, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार व भारतीय जनता पार्टी को घेरा तो जाएगा ही, कांग्रेस पार्टी के संगठन में प्राण फूंकने के प्रयास भी किए जाएंगे। सवाल है कि क्या यह यात्रा पार्टी को नई संजीवनी दे सकेगी?

दरअसल, भारत में राजनीतिक यात्राएं लंबे समय से होती रही हैं। मगर सूचना क्रांति के बाद इनका उद्देश्य बहुत कुछ बदल चुका है। महात्मा गांधी, एनटी रामाराव, लालकृष्ण आडवाणी, सुनील दत्त, राजीव गांधी, चंद्रशेखर जैसी तमाम शख्सीयतों ने राजनीतिक यात्राएं कीं, क्योंकि उन्हें लोगों तक अपनी बात पहुंचानी थी। उस वक्त सूचना तंत्र इतना ज्यादा सक्रिय नहीं था और लोगों पर भी कई तरह की बंदिशें आयद थीं। मगर आज कोई भी सूचना तत्काल पूरे देश में फैल जाती है, और लोग उसके आधार पर अपनी राय बनाने लगते हैं। इसमें राजनीतिक दुष्प्रचार भी खूब किया जाता है। लिहाजा अब यात्राएं काफी सोच-समझकर निकाली जाने लगी हैं।

अगर यात्रा अध्यात्म के प्रचार-प्रसार, चिंतन या कुछ सीखने की मंशा के साथ शुरू की गई हो, तो वह अमूमन सफल होती है। मगर राजनीतिक यात्राओं के साथ दिक्कत यह है कि उनको चुनावी जीत-हार के पैमाने पर तौला जाता है। कांग्रेस की इस यात्रा का भी यही मापदंड है। अगले तीन-चार महीनों में गुजरात और हिमाचल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में चुनाव होने हैं। 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 182 सीटों में 77 सीटें इसलिए मिल सकी थीं, क्योंकि राहुल गांधी व अशोक गहलोत की टीम ने काफी मेहनत की थी। मगर इस बार राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को ज्यादा वक्त देने का फैसला किया है। वह आगामी विधानसभा चुनावों के लिए उतनी उत्सुकता नहीं दिखा रहे हैं। इस कारण यह भी पूछा जा रहा है कि कहीं सियासी पिच पर विफल रहने के आरोपों से वह दुखी तो नहीं हैं या आत्मविश्वास तो नहीं हार रहे हैं?

हालांकि, यह यात्रा राहुल गांधी के लिए आसान नहीं होने वाली। उनको कई मोर्चों पर जूझना पड़ सकता है। मसलन, साल 2011 के बाद से ही उनका मजाक उड़ाने के लिए एक पूरा तंत्र तैयार किया गया है, ताकि वह एक संजीदा राजनेता के रूप में स्थापित न हो सकें। उनकी जुबान क्या फिसलती है, उनको फौरन ट्रोल किया जाने लगता है। ऐसी ट्रोल आर्मी इस यात्रा में भी सक्रिय है। इसके अलावा, राजनीतिक विरोधी भी राहुल को लगातार निशाने पर लेते रहेंगे। मीडिया के एक हिस्से से भी उनको टकराना होगा, क्योंकि वह लगातार उनकी आलोचना करता रहा है।

लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि राहुल गांधी थककर हार मान लेंगे। वह एक कर्मठ नेता हैं और मजबूत भी। वह इस अभियान को लेकर काफी गंभीर भी दिख रहे हैं। वह पूरी यात्रा में मौजूद रह सकते हैं, ताकि कांग्रेस के विचारों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा सकें। हां, बीच में वह गुजरात और हिमाचल के चुनाव प्रचार के लिए भी जा सकते हैं और पार्टी अध्यक्ष की चुनाव-प्रक्रिया में भी शामिल हो सकते हैं।

इस यात्रा में अन्य विपक्षी दलों को साथ न लेना भी कांग्रेस की एक बड़ी रणनीति है। इसमें योगेंद्र यादव, अरुणा रॉय जैसे सिविल सोसाइटी के लोग जोड़े गए हैं। यह यात्रा दक्षिण से उत्तर की तरफ बढ़ेगी और 12 राज्यों से गुजरते हुए श्रीनगर में खत्म होगी। मगर इन राज्यों में गुजरात, ओडिशा, बिहार, बंगाल जैसे महत्वपूर्ण सूबे नहीं होंगे। उत्तर प्रदेश में भी सिर्फ बुलंदशहर में यह यात्रा जाएगी। साफ है, कांग्रेस के रणनीतिकारों ने यही कोशिश की है कि गैर-भाजपा और गैर-कांग्रेसी सरकारों वाले राज्यों पर यह यात्रा ज्यादा असरंदाज न हो। यह उन राज्यों में भी न जाए, जहां समान सोच वाले क्षत्रप हैं, जैसे तेजस्वी यादव या अखिलेश यादव। कन्याकुमारी में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राहुल गांधी को राष्ट्रध्वज जरूर सौंपा, लेकिन इसे मित्रभाव का एक नमूना माना जाना चाहिए।

कुछ लोग राहुल गांधी की इस यात्रा की तुलना राजीव गांधी की 1990 की सद्भावना यात्रा से करने लगे हैं, जो गलत है। राजीव गांधी बेशक 1989 के आम चुनाव में सत्ता से वंचित हो गए थे, लेकिन कांग्रेस ने 197 सीटें जीती थीं। चूंकि उन्होंने सरकार बनाने का दावा नहीं किया, इसलिए विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार बनी। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कमजोर हो रही थी, इसलिए वहां से तब यात्रा की शुरुआत की गई थी। इसके लिए राजीव गांधी ट्रेन के साधारण डिब्बे में सवार हुए थे। इसी तरह, गुजराती अस्मिता के नाम पर नरेंद्र मोदी ने भी 2002 के दंगे में आरोपी बनाए जाने के खिलाफ गौरव यात्रा निकाली थी। सुनील दत्त ने भी पंजाब में शांति बनाने के लिए यात्रा की थी। दिग्विजय सिंह ने 2017 में नर्मदा परिक्रमा की थी। एनटी रामाराव, लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेताओं ने भी राजनीतिक मकसद से यात्राएं निकालीं। जाहिर है, इन तमाम यात्राओं का एक खास उद्देश्य था, जो भारत जोड़ो यात्रा में नहीं दिख रहा है। आम लोगों की नजर में भारत व्यावहारिक रूप से जुड़ा हुआ ही है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि राजनीतिक संवाद बिल्कुल सीधा होना चाहिए, जैसे विश्वनाथ प्रताप सिंह ने किया था या जयप्रकाश नारायण ने। जब बिना किसी शाब्दिक आडंबर से राजनीतिक संदेश

प्रसारित किए जाते हैं, तब उसका सीधा असर होता है। भाजपा की बातें लोगों को इसलिए उत्साहित करती हैं, क्योंकि वे उनको आसानी से समझ में आ जाती हैं।

यह यात्रा कितनी सफल साबित होगी? यह अभी नहीं कहा जा सकता। प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में दो सौ से अधिक सभाएं की थीं, फिर भी कांग्रेस महज दो सीटें पा सकी। नतीजतन, उनकी मेहनत की अब कोई चर्चा नहीं करता। कांग्रेस की मुश्किल यह है कि अब उसका कोई खास वोट-बैंक नहीं है।

संप्रदाय, जाति या क्षेत्र के आधार पर वह मतदाता नहीं बनाती। पहले ये चीजें कांग्रेस की ताकत हुआ करती थीं, पर अब ये उसकी कमजोरी बन गई हैं। इसीलिए 2024 का आम चुनाव ही इस यात्रा का नतीजा बताएगा। हमें यह जानने के लिए इंतजार करना होगा कि राहुल इस यात्रा से मतदाताओं के कितने करीब आते हैं या कांग्रेस को कितना उभार पाते हैं?

कृषि जोड़ सकती है दक्षिण एशिया को

पत्रलेखा चटर्जी

हम दक्षिण एशियाई देशों को एकजुट करने के लिए हमेशा क्रिकेट पर भरोसा करने के बारे में सोचते हैं, भले अन्य मुद्दों पर उनके विचार अलग ही क्यों न हों। ऐसे समय में जब वैश्विक खाद्य व्यवस्था तेजी से कमजोर होती जा रही है, क्या कृषि इन देशों को एकजुट कर सकती है? पिछले हफ्ते श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश और भूटान जैसे पड़ोसी देशों के कृषि मंत्रालयों के शीर्ष अधिकारी अपने भारतीय समकक्ष से इस पर विचार-विमर्श करने के लिए दिल्ली पहुंचे थे कि कैसे एक-दूसरे से सहयोग करना और सीखना बेहतर है। इसमें आभासी रूप से पाकिस्तान ने भी हिस्सा लिया था।

दक्षिण एशिया में 'विकास के लिए कृषि अनुसंधान की मजबूती' विषय पर दिल्ली में यह उच्च स्तरीय बैठक द बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया (बीसा) द्वारा आयोजित इस तरह की पहली बैठक थी। कोविड, यूक्रेन में चल रहे युद्ध और जलवायु परिवर्तन की पृष्ठभूमि में होने के कारण यह बैठक अपने आप में बेहद प्रासंगिक थी। इन तीन कारणों से दुनिया में खाद्य संकट तेजी से गहरा रहा है। ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस, 2022 के मुताबिक, 53 देशों या क्षेत्रों के 19.3 करोड़ लोगों ने 2021 में भीषण खाद्य असुरक्षा का अनुभव किया। खाद्य संकट के लिहाज से दक्षिण एशिया बेहद संवेदनशील है। श्रीलंका में अभूतपूर्व आर्थिक संकट के बाद वहां के लाखों लोग को खाद्य संकट का सामना करना पड़ा। अब पाकिस्तान विनाशकारी बाढ़ से जूझ रहा है और उसका एक तिहाई हिस्सा पानी में डूबा हुआ है। जैसा कि हम जानते हैं कि भारत कहीं बेहतर स्थिति में है, लेकिन वैश्विक झटकों से सुरक्षित नहीं है। गेहूं निर्यात प्रतिबंधित करने के बाद भारत ने घरेलू खाद्य महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए टूटे चावल के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

यह साफ है कि सहयोग ही रास्ता है। पिछले हफ्ते दक्षिण एशिया के शीर्ष कृषि अधिकारियों की बैठक आयोजित करने वाला बीसा मैक्सिको स्थित द इंटरनेशनल मेइज ऐंड ह्वीट इंप्रूवमेंट सेंटर (सीआईएमएमवाईटी), जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण दो अनाज-मक्का और गेहूं पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान है, और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) का इसी तरह का सहयोगी संगठन है। सीआईएमएमवाईटी और बीसा के महानिदेशक ब्रैम गोवर्ट्स का दिल्ली में दो दिवसीय उच्च स्तरीय सम्मेलन को संबोधित करना कृषि में सहयोग के लिहाज से एक बड़ी बात है।

हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले दिवंगत नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नॉर्मन बोरलॉग की विरासत को मान्यता देने के लिए पांच अक्तूबर, 2011 को बीसा का गठन किया गया था। अमेरिकी वैज्ञानिक बोरलॉग ने 1944 से 1963 तक बढ़ते तापमान के अनुकूल अत्यधिक उपज क्षमता वाले गेहूं की कई क्रमिक किस्में विकसित कीं। बोरलॉग और प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिक प्रोफेसर एम. एस. स्वामीनाथन के बीच साझेदारी ने 1960 के दशक में भारत में उच्च उपज देने वाले गेहूं और चावल की किस्मों का विकास किया और देश में गंभीर खाद्य संकट दूर करने में मदद की।

बीसा का गठन भारत में अनुसंधान की रणनीति बनाने के लिए किया गया था, जिससे कि कम पानी, भूमि और ऊर्जा का उपयोग करते हुए दक्षिण एशिया में खाद्य उत्पादन दोगुना करने में मदद मिले। अभी इसके लुधियाना (पंजाब), जबलपुर (मध्य प्रदेश) और समस्तीपुर (बिहार) में अनुसंधान और विकास केंद्र हैं। बीसा के प्रबंध निदेशक डॉ. अरुण कुमार जोशी कहते हैं, 'बीसा का उद्देश्य नवीनतम आनुवंशिक, डिजिटल और संसाधन प्रबंधन तकनीकों का उपयोग करना है और इसके संस्थापकों-आईसीएआर और सीआईएमएमवाईटी की इच्छा के अनुसार, क्षेत्र की कृषि और खाद्य प्रणालियों को मजबूत करने के विकासात्मक नजरिये के लिए अनुसंधान का उपयोग करना है, ताकि उत्पादकता, लचीलापन, आजीविका और पोषण सुरक्षा जैसी भविष्य की मांगें पूरी की जा सकें।'

दक्षिण एशिया में भारत के पड़ोसी देशों तक बीसा की पहुंच पहले ही अच्छे परिणाम दे चुकी है। इसके कुछ उदाहरण-लुधियाना स्थित बीसा फार्म से गेहूं की फसल को प्रभावित करने वाले पीले रतुआ के प्रतिरोध पर डाटा का उपयोग नेपाल, अफगानिस्तान और पाकिस्तान द्वारा किया गया है। सीआईएमएमवाईटी के वैश्विक गेहूं कार्यक्रम की मदद से बीसा में किए गए अनाज की उपज और अन्य लक्षणों के लिए आनुवंशिक भविष्यवाणी मूल्यांकन को 2020 से पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल तक बढ़ा दिया गया है। भारत में छात्रों, वैज्ञानिकों और किसानों के लिए प्रजनन और जलवायु प्रतिरोधी प्रौद्योगिकियों पर नियमित प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। बीसा के वैज्ञानिक नेपाल में जलवायु-प्रतिरोधी प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम आयोजित करते हैं।

गोवर्ट्स कहते हैं, 'भारत ने पिछले दशकों में गेहूं के उत्पादन में अच्छा प्रदर्शन किया है और यह क्षमता निर्माण में मदद करने की स्थिति में है। लेकिन आज खाद्यान्न सुरक्षा संकट में है। खाद्य प्रणाली को तीन सी-कोविड, कॉन्फ्लिक्ट और क्लाइमेट चेंज से खतरा है। बीसा का गठन एक दूरदर्शी कदम था। यह कृषि में नए शोध को बढ़ावा देता है और दक्षिण एशियाई देशों को कृषि मुद्दे पर जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करता है।' एक प्रमुख चुनौती उर्वरक की कमी है, जो यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के चलते अगले फसल चक्र में सामने आ सकती है। यूक्रेन पर रूस के हमले से पहले से ही उर्वरकों की कीमतें अधिक थीं। यूक्रेन में युद्ध ने स्थिति और बदतर बना दी, क्योंकि रूस दुनिया में नाइट्रोजन उर्वरक का सबसे बड़ा निर्यातक, पोटाशियम उर्वरक का दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता और फॉस्फोरस उर्वरक का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है।

मौजूदा भू-राजनीतिक दौर दक्षिण एशिया और बीसा जैसी संस्थाओं को एक साथ आने और वैश्विक खाद्य संकट, जलवायु परिवर्तन की नई चुनौतियों और कृषि व्यापार में बदलती गतिशीलता से निपटने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। समय ही बताएगा कि यह क्षेत्र इस अवसर का लाभ उठाता है या नहीं।

क्यों कम हैं ट्रॉमा सेंटर

विनीत नारायण

टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की एक सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु से देश भर में सड़क सुरक्षा को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं।

सड़क दुर्घटना में चोटिल व्यक्ति को यदि समय पर प्राथमिक उपचार मिल जाए तो अधिकतर मामलों में घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। साइरस मिस्त्री की मृत्यु के बाद एक ओर जहां सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने एक आदेश जारी किया है जिसके तहत अब से कार में पीछे बैठने वाले अगर सीट बेल्ट नहीं लगाएंगे तो उनका भी चालान होगा। वहीं सड़क सुरक्षा को लेकर अन्य कई सवाल भी उठने लग गए हैं। इनमें से अहम है देश में ट्रॉमा सेंटर्स की भारी कमी का होना।

ट्रॉमा सेंटर ऐसा अस्पताल होता है, जो ऊंचाई से गिरने, सड़क दुर्घटना, हिंसा आदि जैसे हादसों में घायल रोगियों की प्राथमिक चिकित्सा और देखभाल के लिए विशेष स्टाफ से लैस रहता है। आम तौर पर ट्रॉमा सेंटर में केवल गंभीर रूप से चोटिल व्यक्तियों का ही इलाज चलता है। प्राथमिक उपचार के बाद यदि किसी मरीज को किसी अन्य विशेषज्ञ से इलाज की जरूरत होती है, तो उसे आम अस्पताल में भेज दिया जाता है यानी ट्रॉमा सेंटर में रोजमर्रा के मरीज नहीं देखे जाते। असल में दर्दनाक चोट अपने आप में एक रोग प्रक्रिया है, जिसके लिए विशेष और अनुभवी उपचार और विशेष संसाधनों की आवश्यकता होती है। यदि ऐसे उपचारों को आम अस्पतालों में ही किया जाए तो आम मरीजों की भीड़ के चलते ट्रॉमा सेंटर की विशेष प्रक्रिया में असर पड़ सकता है। दुनिया का पहला ट्रॉमा सेंटर 1941 में बर्मिंघम (इंग्लैंड) में खोला गया था।

इस अस्पताल को आम रोगियों की बजाय गंभीर रूप से घायलों के इलाज के लिए विशेष रूप से स्थापित किया गया था। ट्रॉमा सेंटर के उच्चतम स्तर पर विशेषज्ञ चिकित्सा और नर्सिंग देखभाल तक पहुंच है, जिसमें आपातकालीन चिकित्सा, आघात सर्जरी, महत्त्वपूर्ण देखभाल, न्यूरो सर्जरी, आर्थोपेडिक सर्जरी, एनेस्थिसियोलॉजी और रेडियोलॉजी के साथ-साथ अत्यधिक विशिष्ट और परिष्कृत सर्जिकल और नैदानिक उपकरण की विस्तृत विविधता शामिल है। आज हमारे देश में यदि कोई बड़ा हादसा हो तो उससे निपटने के लिए देश में कितने ट्रॉमा सेंटर हैं? मौजूदा अस्पतालों को सही ढंग से चलाने में सरकारें कितनी कामयाब हैं, इसका अंदाजा निजी अस्पतालों की लोकप्रियता से लगाया जा सकता है। आम तौर पर यदि कोई व्यक्ति किसी सरकारी अस्पताल में जाता है, तो या तो वहां पर डाक्टरों की कमी होती है, या फिर वहां लगे उपकरण ठीक से नहीं चलते। मजबूरन जांच करवाने के लिए मरीजों को निजी क्लिनिक या अस्पतालों का रुख करना पड़ता है, जो उनकी जेब पर भारी पड़ता है। यदि मरीजों को सरकारी अस्पतालों में सभी सुविधाएं उपलब्ध हो जाएं तो भला वे निजी अस्पतालों में क्यों जाएं? हमारी सरकारें और अफसर बात-बात में यूरोप और अमेरिका के उदाहरण देते हैं जबकि वहां सबको सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं, और हमारी सरकारें अपने सरकारी अस्पतालों को बेंड करती जा रही हैं जबकि हमारे देश में गरीबों की संख्या कहीं ज्यादा है, और वो निजी अस्पताल का खर्च वहन नहीं कर सकते।

राजनेताओं द्वारा अक्सर मतदाताओं को लुभाने के लिए ऐसे वादे कर दिए जाते हैं, जो पूरे नहीं होते। चुनावी वादों में स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का भी ऐलान किया जाता है। इन योजनाओं में करोड़ों की लागत से बनने वाले बड़े-बड़े अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर भी शामिल होते हैं, लेकिन जरूरत इस बात की है कि करोड़ों रुपये के नये-नये अस्पतालों को बनाने की बजाय मौजूदा अस्पतालों को दुरुस्त किया जाए, उनकी दशा सुधारी जाए। उनमें मेडिकल उपकरण, दवाओं और जेनरेटर जैसी सुविधाएं दी जाएं क्योंकि अक्सर छोटे शहरों में बिजली की आपूर्ति नियमित नहीं होती। राजमागरे पर निश्चित दूरी पर ट्रॉमा सेंटर या अस्पतालों की सुविधा भी बनाई जाएं और इनका व्यापक प्रचार भी किया जाए। जैसे हमें राजमागरे और एक्सप्रेसवे पर जगह-जगह पेट्रोल पंप और विश्राम स्थल की जानकारी के बोर्ड दिखाई देते हैं, वैसे ही इन अस्पतालों/ट्रॉमा सेंटर की जानकारी भी उपलब्ध होनी चाहिए।

दिल्ली के प्रतिष्ठित एम्स अस्पताल के अधीन जयप्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर को देश का सर्वश्रेष्ठ ट्रॉमा सेंटर माना जाता है। कई सालों से इस ट्रॉमा सेंटर में कई जटिल उपचार सफलतापूर्वक किए गए हैं। इनमें से एक चर्चित मामला ऐसा था जो शायद आपको भी याद होगा। 19 अप्रैल, 2010 को दिल्ली के ग्रेटर कैलाश के पास गाड़ी चला रहे कुवात्रा अदामा नाम के एक विदेशी नागरिक की गाड़ी सरियों से लदे ट्रक में जा भिड़ी। दुर्घटना में ट्रक से लटकते हुए सरिए अदामा की छाती के आर-पार हो गए।

दुर्घटना में सरिए इस कदर शरीर के आर-पार हुए कि अदामा और उनके पीछे बैठे मित्र, दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। इन दोनों घायलों को एम्स के ट्रॉमा सेंटर लाया गया। एम्स ट्रॉमा सेंटर के वरिष्ठ ट्रॉमा सर्जन डॉ अमित गुप्ता की टीम ने इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को सफलतापूर्वक किया। इस घटना को याद करते हुए डॉ गुप्ता बताते हैं कि यह एक ऐसा मामला था जहां दुर्घटना की शिकार गाड़ी को डॉक्टरों की निगरानी में अस्पताल के अंदर ही काटा गया। चूंकि सरिए इस तरह से आर-पार हुए थे कि मरीज को लेटाना भी संभव नहीं था, लेकिन एम्स ट्रॉमा सेंटर के अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने इसे सफलतापूर्वक कर दिखाया और अदामा और उनके मित्र को एक नया जीवन दिया।

ऋतिक की फाइटर से टकराएगी प्रभास की सालार

बीते सालों में साउथ सिनेमा बॉलीवुड पर भारी पड़ता नजर आया है, जिस वजह से बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सितारों में कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। सुपरस्टार प्रभास की मच अवेटेड फिल्म 'सालार' की रिलीज डेट अनाउंस हो गई है, जिसके बाद से ही सोशल मीडिया पर प्रभास और उनकी फिल्म ट्रेंड कर रही है। 'सालार' अगले साल 28 सितंबर को पर्दे पर दस्तक देगी, यह सुनकर ऋतिक रोशन की मुश्किलें यकीनन बढ़ गई होंगी। इसके पीछे का कारण है ऋतिक और प्रभास की फिल्मों के बीच होने वाला क्लैश। प्रभास की 'सालार' और ऋतिक की 'फाइटर' दोनों ही फिल्में अगले साल सितंबर में एक ही दिन रिलीज होने वाली हैं, जिसका असर कलेक्शन पर भी नजर आ सकता है। दरअसल, दोनों एक्टर्स की फैन फॉलोइंग बहुत तगड़ी है, ऐसे में दोनों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। इसके अलावा बायकॉट बॉलीवुड ट्रेंड को देखते हुए ऋतिक रोशन के लिए बॉक्स ऑफिस पर सालार का सामना करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

कनिष्का सोनी ने खुद संग रचाई शादी

'सोलोगामी' यानी खुद से शादी करने का कॉन्सेप्ट दुनिया भर में तेजी से बढ़ रहा है। अब हाल ही में 'दिया और बाती हम' फेम कनिष्का सोनी ने खुद से शादी की है, जिसके बाद से सोलोगामी फिर से सुर्खियों में है। इसके पहले गुजरात की क्षमा बिंदु ने खुद से शादी की थी। कनिष्का ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर सिंदूर और मंगलसूत्र पहने हुए पोस्ट शेयर की है। इसके कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, 'खुद से शादी कर ली है। क्योंकि मैं अपने दम पर अपने सपने पूरे करती हूं। जिससे मैं प्यार करती हूं, वो इंसान मैं खुद हूं'। उन सभी का सवालों के जवाब, जो मुझसे पूछे जा रहे हैं, मुझे कभी भी किसी आदमी की जरूरत नहीं है।'

ईशा गुप्ता का ब्राइडल लुक

ईशा गुप्ता आजकल अपने लुक और अंदाज से फैंस के इम्प्रेस करती हुईं नजर आ रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने रेड लहंगे में फोटोशूट करवाया है। रेड लहंगे में एक्ट्रेस एक से बढ़कर एक पोज देती हुई दिखाई दीं। ईशा गुप्ता की लेटेस्ट वीडियो को देख फैंस ने तारीफों के पुल बांध दिए हैं। वीडियो में ईशा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। बता दें, ईशा ने ये फोटोशूट एक मैगजीन के लिए करवाया है।

कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' में कौन बना है संजय गांधी?

एक्ट्रेस ने तस्वीर शेयर करते सबको चौंकाया

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत अपनी आने वाली फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर चर्चा में है। कंगना ने अपनी फिल्म का छोटा सा टीजर रिलीज किया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिल्म एक राजनीतिक ड्रामा है जो भारत में 1975 में लगे आपातकाल पर आधारित हैं। फिल्म के मुख्य कलाकारों के लुक को एक-एक करके शेयर किया जा रहा है। कंगना धीरे-धीरे अपनी फिल्म के किरदारों से पर्दा उठा रही हैं और सोशल मीडिया पर उनके लुक्स शेयर करती रही हैं। उन्होंने अब राजनेता और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी की भूमिका में विशाख नायर को पेश किया है। विशाख नायर ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना लुक शेयर किया। पोस्ट को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'संजय गांधी की भूमिका निभाने के लिए वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं। जैसे ही उन्होंने तस्वीर शेयर की प्रशंसकों ने बधाई की शुभकामनाओं के साथ कमेंट सेक्शन में खूब कमेंट किए। एक यूजर ने लिखा, 'दा आप पर बहुत खुशी और गर्व है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'हे भगवान! बधाई।' एक तीसरे यूजर ने लिखा, 'यह फिल्म जरूर हिट होगी। सभी किरदार बिल्कुल मेल खाते हैं। इमरजेंसी में इंदिरा गांधी के रूप में कंगना रनौत, जेपी नारायण के रूप में अनुपम खेर, पुपुल जयकर के रूप में महिमा चौधरी, अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में श्रेयस तलपड़े, और मिलिंद सोमन फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की भूमिका निभाएंगे। पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की आगामी जीवनी कंगना रनौत द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म का समर्थन रेणु पिट्टी और कंगना ने किया है।

अमिताभ बच्चन स्टारर 'जयकाल महाकाल' गाना रिलीज

हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन की आगामी फिल्म गुड बाय का पहला गीत 'जयकाल महाकाल' रिलीज हो गया है। अमिताभ बच्चन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'गुडबाय' का पहला गाना 'जयकाल महाकाल' रिलीज हो गया है। इस गीत के बोल स्वानंद किरकिरे ने लिखे हैं और संगीत अमित त्रिवेदी का है। गीत को सुहास सावंत और अमित त्रिवेदी ने आवाज दी है। सोशल मीडिया पर इस गाने को जल्द रिलीज करने के लिए ढेर सारे कमेंट किए। 'गुडबाय' में अमिताभ बच्चन और रश्मिका मंदाना के अलावा नीना गुप्ता, पावेल गुलाटी, एली अविराम, सुनील ग्रोवर और साहिल मेहता भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। बता दें कुछ दिनों पहले ही फिल्म गुडबाय के ट्रेलर को रिलीज किया गया था। जिसमें दो पीढ़ियों के विचारों के बीच टकराव को बखूबी दिखाया गया है। विकास बहल द्वारा निर्देशित और लिखित 'गुडबाय' एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है जिसमें आपको कॉमेडी, इमोशन, प्यार और नोकझोंक का भरपूर मसाला देखने को मिलेगा। वहीं विकास के साथ मिलकर एकता कपूर इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रही हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित गुडबाय 7 अक्टूबर, 2022 को सिनेमाघरों में दुनिया भर में रिलीज के लिए तैयार है।

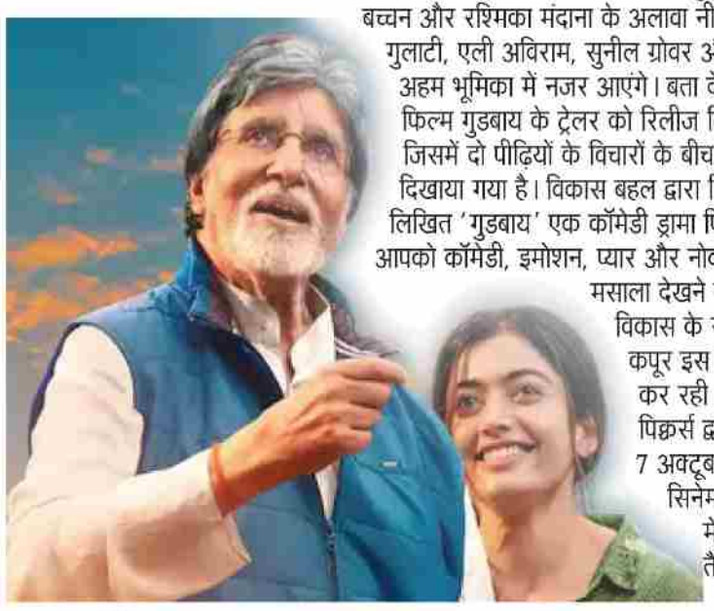

'मिर्जापुर 3' में डैंजरस अवतार में नजर आएंगे गुड्डू भैया

बॉलीवुड एक्टर अली फजल इन दिनों वेब सीरीज मिर्जापुर के तीसरे सीजन की शूटिंग में बिजी चल रहे हैं। अली ने हाल ही में सोशल मीडिया पर सीरीज मिर्जापुर 3 का पोस्टर शेयर किया है। अली ने पोस्टर शेयर करते हुए इसे फैन आर्ट बताया है। इस देख फैंस कयास लगा रहे हैं कि मिर्जापुर के तीसरे सीजन में गुड्डू भैया इस अवतार में नजर आने वाले हैं। अली फजल ने सोशल मीडिया पर फैन आर्ट को शेयर किया है। जिसे देख एक्टर के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, फैन आर्ट। साथ ही मिर्जापुर 3 को हैशटैग भी किया। दरअसल अली ने फैन के द्वारा बनाए गए 'मिर्जापुर 3' का एक पोस्टर शेयर किया, जिसे देखकर लग रहा है कि गुड्डू भैया बोल्ड अवतार में नजर आने वाले हैं। हालांकि, यह पोस्टर ऑफिशियल नहीं है।

बिग बॉस 16 के घर में आदिल खान दुर्रानी से शादी करेंगी राखी सावंत

सलमान खान करेंगे कन्यादान?

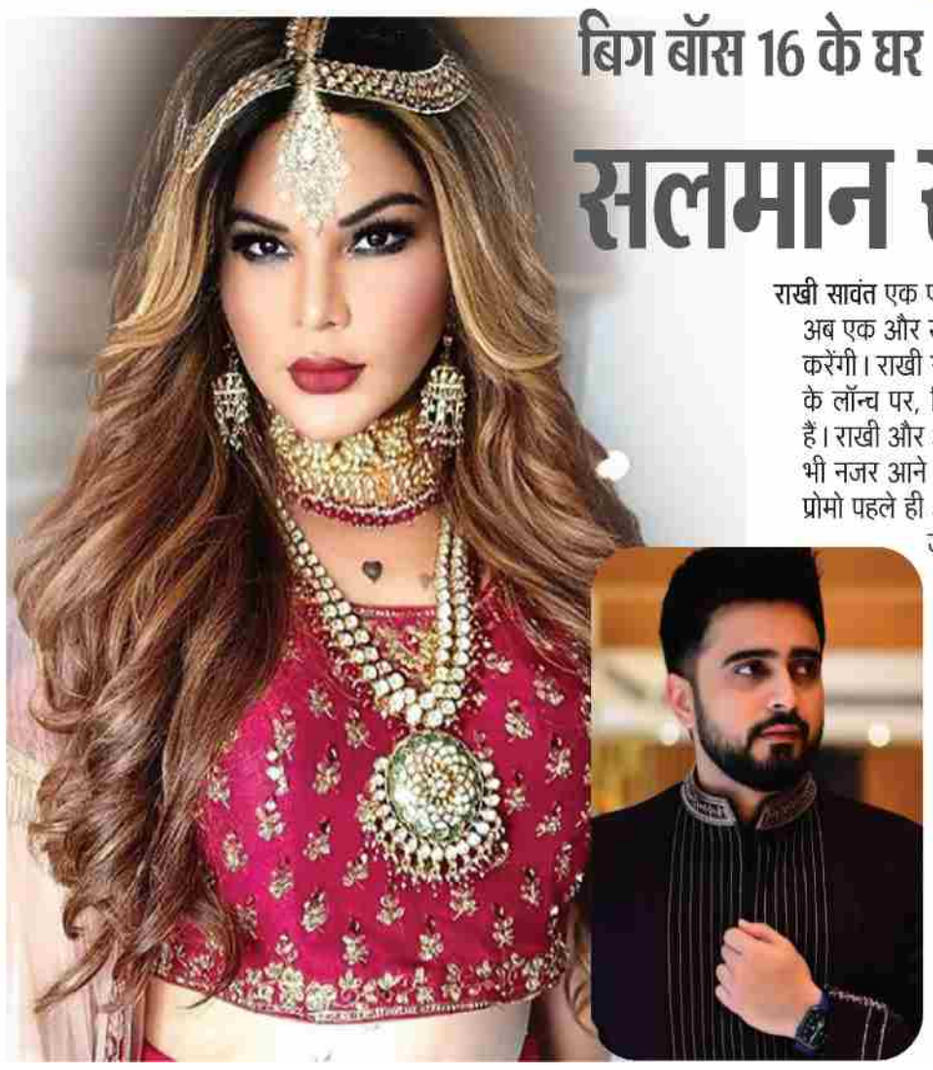

राखी सावंत एक एंटरटेनर हैं! इसका सबूत उन्होंने बिग बॉस 14-15 के सीजन में दिया है। बिग बॉस 16 को लेकर अब एक और खबर आ रही हैं कि राखी सांवत अपने बॉयफ्रेंड आदिल के साथ बिग बॉस 16 के घर के अंदर शादी करेंगी। राखी सावंत और उनके बॉयफ्रेंड आदिल खान दुर्रानी के पहले गाने 'तू मेरे दिल में रहने के लायक नहीं' के लॉन्च पर, विशेष रूप से लवबड्र्स के साथ बातचीत की गयी, जिसमें उन्होंने कुछ दिलचस्प खुलासे किए गये हैं। राखी और आदिल ने कुछ ऐसे हिंट दिए हैं जिससे यह लग रहा है कि राखी सावंत बिग बॉस 16 के घर के अंदर भी नजर आने वाली हैं। सलमान खान के बिग बॉस 16 के प्रोमो के सुर्खियों में आने के साथ (और इसका पहला प्रोमो पहले ही आ चुका है), राखी से पूछा कि क्या वह और आदिल इसमें शामिल होने के लिए खेल हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह आदिल खान दुर्रानी के साथ झलक दिखला जा या नच बलिए जैसे डांस रियलिटी शो में भाग लेने के लिए तैयार हैं, राखी सावंत ने कहा, फ्आदिल मेरा प्यार है, मेरी जिंदगी है, मेरी सांस है, मेरा डीएनए है, मेरा कलेजा है। वह मेरा फेफडा है, वह मेरी किडनी है - आदिल मेरे लिए सब कुछ है। इसलिए, मैं उनके साथ नच बलिए, झलक दिखलाजा करना पसंद करूंगी। उन्होंने कहा, 'मैं बिग बॉस सहित सभी रियलिटी शो (उनके साथ) करना चाहती हूं।' यह बताते हुए कि उन्होंने हाल ही में कहा था कि वह सलमान खान के बिग बॉस 16 में बॉयफ्रेंड आदिल खान दुर्रानी के साथ काम करना पसंद करेंगी, राखी सावंत ने खुलासा किया कि वह इसे कैसे चाहती हैं। 'परदेसिया ये सच है पिया' डांसर ने कहा, 'मुझे नहीं पता बीबी16 में काम करने के बारे में। ये जनता के हाथ में है, सलमान भाई के हाथ में है, कलर्स के हाथ में है। ये (लोगो) ने मुझे हमें रोते-धोते देखा है, मेरा रोमांटिक एंगल, प्यार... वो देखा ही नहीं है कभी। और मुझे वैसा कोई लड़का मिला ही नहीं। पिछली बार जो था, वो अनुभव बहुत बुरा रहा, आपदा रहा है। लेकिन तब मेरे पास आदिल नहीं था। आदिल का नाम ही प्यार है, रोमांस है।' उन्होंने आगे कहा, 'और इस बार अगर हमें बिग बॉस 16 में जाने का मौका मिलेगा, एक जोड़े के रूप में, तो इस बार हम जाएंगे, प्यार भी करेंगे और मस्ती भी करेंगे। सलमान भाई को कहेंगे कि 'अब बस मेरा कन्यादान करदो भाई जल्दी से, निकाह करवा दो जल्दी से। सिंगल जाएंगे और मिंगल होके बहार निकलेंगे।

मशहूर निर्देशक जीन ल्यूक गोडार्ड का निधन

पेरिस । सन 1960 के दशक में अपनी पहली फिल्म 'ब्रेथलेस से क्रांतिकारी बदलाव लाने मशहूर फ्रांसिसी निर्देशक जीन ल्यूक गोडार्ड का 91 साल में निधन हो गया। कई मीडिया संगठनों ने इसकी पुष्टि की है कि उन्हें मंगलवार को गोडार्ड के रिश्तेदारों से उनके निधन की खबर मिली। सन् 1950 के दशक में फिल्म समीक्षक के तौर पर अपने करियर की शुरुआत करने वाले गोडार्ड ने लीक से हटकर सिने जगत में एक युग की शुरूआत की। उन्होंने कैमरा, ध्वनि एवं कथात्मकता के नए नियम गढ़े। उनकी फिल्मों से जीन पॉल बेलमोंडो स्टार बने। उनकी विवादास्पद फिल्म 'हेली मैरी' तब सुर्खियों में आ गयी जब पोप जॉन पॉल द्वितीय ने 1985 में उसकी निंदा की। गोडार्ड ने कई ऐसी फिल्में बनाई जो राजनीतिक रूप से संवेदनशील एवं प्रायोगिक थीं। उन फिल्मों से उनके प्रशंसकों के एक छोटे समूह से बाहर बहुत कम लोग ही खुश होते थे। कांस फिल्मोत्सव के निदेशक थी फीमॉक्स ने कहा कि गोडार्ड के निधन की खबर सुनकर वह 'बहुत, बहुत उदास' हैं। उनकी फिल्में ''माई लाईफ टू लिव'', ''अल्फाविले'', 'क्रेजी पीट'' 'द लिटल सोल्जर'' आदि है। बाद में उनकी वामपंथी राजनीतिक दृष्टिकोण से समझौता नहीं करने वाले शख्स के रूप में पहचान बनी।

भारतीय साझेदारों के साथ कार्बन फाइबर और पवन ऊर्जा जैसे क्षेत्र में संभावना तलाश रहे: तितोव

मॉस्को । रूस के रोसाटॉम ग्रुप ने कहा है कि वह भारत के 'बेहद संभावनाशील बाजार में विभिन्न अवसरों पर गौर कर रहा है, जिसमें नवीकरणीय एवं कार्बन फाइबर क्षेत्र भी शामिल हैं। रोसाटॉम-इंटरनेशनल नेटवर्क के अध्यक्ष वादिम तितोव ने कहा कि उनका ग्रुप नाभिकीय औषधि, विकिरण प्रौद्योगिकी और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में भी संभावनाओं की तलाश कर रहा है। नाभिकीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रोसाटॉम तमिलनाडु के कुडनकुलम में एक नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र का विकास कर रही है। इस संयंत्र में छह परमाणु रिएक्टर है, जिसमें प्रत्येक की स्थापित क्षमता 1,000 मेगावॉट की होगी। इनमें से दो रिएक्टर शुरू हो चुके हैं। तितोव ने कहा, रोसाटॉम सिर्फ नाभिकीय ऊर्जा ही नहीं, बल्कि सहयोग के अन्य संभावनाशील क्षेत्रों पर भी गौर कर रही है। हम अपने भारतीय साझेदारों के साथ कार्बन फाइबर और पवन ऊर्जा जैसे अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग की संभावना तलाशकर खुश होंगे। तितोव की अगुवाई वाली रोसाटॉम इंटरनेशनल इस समूह की अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों को समर्थन देता है और नए कारोबारी अवसरों की तलाश करता है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से भारत का बाजार काफी संभावनाशील है। हमारे लिए ऊर्जा क्षेत्र में भारतीय सहयोगियों के साथ काम करने का मौका मिलना बेहद सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी अपने विदेशी साझेदारों को ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी प्रौद्योगिकी भी मुहैया करा सकती है। हालांकि, उन्होंने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी।

भारत ने यूक्रेन को मानवीय सहायता की 12वीं खेप सौंपी

कीव। भारत ने रूस के साथ युद्ध के कारण होने वाली आर्थिक कठिनाइयों को कम करने में यूरोपीय राष्ट्र की मदद करने के अपने प्रयास के तहत सोमवार को यूक्रेन को मानवीय सहायता की 12वीं खेप सौंपी। इसमें आवश्यक दवाएं और उपकरण शामिल हैं। भारत ने एक मार्च को पोलैंड के रास्ते यूक्रेन को मानवीय सहायता की पहली किस्त भेजी थी जिसमें दवाएं और अन्य राहत सामग्री शामिल थी। खेप को सौंपे जाने की एक तस्वीर साझा करते हुए कीव में भारतीय दूतावास ने एक ट्वीट में कहा कि राजदूत हर्ष कुमार जैन ने यूक्रेन के उप स्वास्थ्य मंत्री ओलेक्सी इरेमेन्को को 'यूक्रेन के लोगों के लिए आवश्यक दवाओं और उपकरणों से युक्त भारत से मानवीय सहायता की 12वीं खेप सौंपी। भारत ने यूक्रेन के खिलाफ आक्रामकता के लिए रूस की आलोचना नहीं की है। नयी दिल्ली ने बार-बार रूसी और यूक्रेनी पक्षों से कूटनीति और बातचीत के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया है और दोनों देशों के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए सभी राजनयिक प्रयासों के लिए अपना समर्थन भी व्यक्त किया है। पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा काम्बोज ने यूक्रेन में तत्काल मानवीय राहत को प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा था कि मानवीय कार्रवाई हमेशा मानवीय सहायता, यानी मानवता, तटस्थता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होनी चाहिए तथा उपायों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय मिशन ने 17 मई से कीव में अपना कामकाज फिर से शुरू किया। दूतावास को 13 मार्च को अस्थायी रूप से वारसॉ (पोलैंड) में स्थानांतरित कर दिया गया था।

दुबई में नए हिंदू मंदिर की पहली झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में एकत्रित हुए संयुक्त अरब अमीरात के निवासी

इस महीने के शुरू में दुबई में नया हिंदू मंदिर खुलने के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हजारों निवासी यहां दर्शन के लिये उमड़ रहे हैं। 'गल्फ न्यूज' की खबर के मुताबिक, इस मंदिर को औपचारिक रूप से आम लोगों के लिए हालांकि पांच अक्टूबर को दशहरे के दिन खोला जाएगा। मंदिर सभी धर्मों के लोगों का स्वागत करता है और 16 देवताओं व अन्य आंतरिक साज-सज्जा को देखने के लिए उपासकों और अन्य आगंतुकों को प्रवेश की अनुमति देता है। मंदिर प्रबंधन ने अपनी वेबसाइट के माध्यम से क्यूआर-कोड आधारित बुकिंग प्रणाली को सक्रिय करने के साथ एक सितंबर को मंदिर का 'अनौपचारिक' (सॉफ्ट) उद्घाटन किया था। खबर के मुताबिक, मंदिर में पहले दिन से ही और विशेष रूप से सप्ताहांत में बड़ी संख्या में आगंतुक आ रहे हैं। खबर में कहा गया है कि भीड़ प्रबंधन और सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के लिए क्यूआर-कोड के माध्यम से सीमित प्रवेश दिया जा रहा है। मंदिर सुबह साढ़े छह बजे से रात आठ बजे तक खुला रहता है। अक्टूबर के अंत तक सप्ताहांत के लिए अधिकांश बुकिंग पहले ही हो चुकी है। बुकिंग प्रणाली अक्टूबर के अंत तक जारी रहेगी, जिसके बाद आम जनता मंदिर के खुलने के समय में किसी भी वक्त दर्शन करने के लिए स्वतंत्र होगी। वर्तमान में मंदिर में एकमात्र गतिविधि वैदिक श्लोकों के जप की हो रही है, जिसके लिये 14 पंडितों का एक समूह विशेष रूप से भारत से आया है। यह जप हर दिन सुबह साढ़े सात बजे से पूर्वाह्न 11 बजे तक और फिर अपराह्न साढ़े तीन बजे से रात साढ़े आठ बजे तक होता है। आगंतुकों को मंत्रोच्चार में भाग लेने की अनुमति है।

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु संस्था का यूक्रेन के परमाणु संयंत्र की सुरक्षा के लिए समझौते पर जोर

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख ने सोमवार को कहा कि उन्होंने जापोरिज्जिया संयंत्र में परमाणु सुरक्षा के मद्देनजर यूक्रेन और रूस के साथ वार्ता शुरू की है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने पिछले सप्ताह यूरोप के छह रिएक्टर वाले सबसे बड़े परमाणु संयंत्र में निरीक्षकों की एक टीम का नेतृत्व करने के बाद अपना प्रस्ताव रखा। ग्रॉसी ने आईएईए के वियना मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''हम चाहते हैं कि यूक्रेन और रूस संयंत्र या इसके आसपास हमला न करने या गोलाबारी न करने के एक बहुत ही सरल सिद्धांत पर सहमत हों।'' आईएईए ने हालिया गोलाबारी के लिए किसी पक्ष पर दोष नहीं मढा है। हालांकि गोलीबारी के लिए यूक्रेन और रूस ने एक-दूसरे पर दोष मढ़े हैं। इस संयंत्र पर रूसी सेना का कब्जा है, लेकिन युद्ध की शुरुआत से ही इसका संचालन यूक्रेन के कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके प्रस्ताव में विसैन्यीकरण शामिल है, ग्रॉसी ने कहा, ''मूल रूप से, यह एक प्रतिबद्धता है कि संयंत्र में या इसके आसपास उस दायरे तक कोई भी सैन्य कार्रवाई नहीं होगी जिससे कि इसका सामान्य कामकाज प्रभावित हो।'' ग्रॉसी ने दोनों पक्षों के बारे में कहा कि उन्होंने ''ऐसे संकेत देखे हैं कि वे इस समझौते में रुचि रखते हैं।'' उन्होंने कहा कि तकनीकी विवरणों का पता लगाया जा रहा है, जिसमें वह दायरा भी शामिल है जिस पर एक समझौता लागू होगा और आईएईए विशेषज्ञ किस तरह काम करेंगे। ग्रॉसी की बाकी टीम के स्वदेश लौटने के बाद भी आईएईए के दो विशेषज्ञ संयंत्र में ठहरे हुए हैं। जापोरिज्जिया संयंत्र को सप्ताहांत में यूक्रेन के बिजली ग्रिड से फिर से जोड़ दिया गया। इंजीनियरों ने क्षेत्र में लड़ाई के मद्देनजर किसी आपदा से बचने के प्रयास में संयंत्र के अंतिम सक्रिय रिएक्टर को बंद कर दिया था। गोलाबारी के कारण सभी बिजली लाइन काट दिए जाने के बाद संयत्र को बाहर से बिजली की आपूर्ति ठप हो गई थी।

लंदन में ब्रिटेन के नये राजा चार्ल्स तृतीय संसद को संबोधित करते हुए।

भारतीय संस्थानों के साथ तालमेल को बढ़ावा देने न्यूयॉर्क में नए केंद्र की शुरुआत

न्यूयॉर्क । भारतीय सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों और सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क (सीयूएनवाई) के बीच सुदृढ़ एवं समावेशी सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षणिक तालमेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नए केन्द्र की शुरुआत की गई है। भारत की ओर से अनुसंधान और शिक्षा सहयोग के लिए की गई पहल के अनुसार 'सीयूएनआई क्रेस्ट संस्थान' (आईआईसीसीसीआई) की नौ सितंबर, को आधिकारिक तौर पर ब्रोंक्स कम्युनिटी कॉलेज (बीसीसी) में शुरुआत की गई। यह संस्थान दोनों देशों के बीच शिक्षा और संस्कृति दोनों के क्षेत्र में विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध होगा।

बीसीसी के अध्यक्ष थॉमस इसेकेनेगबे और सीयूएनवाई के अध्यक्ष विन्सेंट बोद्रेउ द्वारा समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने बीसीसी और महाराष्ट्र के तीन राज्य विश्वविद्यालयों के बीच हस्ताक्षरित रुचियों का विवरण (स्टेटमेंट ऑफ इंट्रेस्ट) भी साझा किया। कार्यक्रम के दौरान जारी किए गए बयान में कहा गया कि आईआईसीसीसीआई मिशन का उद्देश्य सीयूएनवाई और भारतीय शैक्षणिक संस्थानों, संघीय संस्थाओं और निजी उद्यम के बीच मजबूत और समावेशी सांस्कृतिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक तालमेल को बढ़ावा देना है।

चार्ल्स ने संसद को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी दिवंगत मां ने निस्वार्थ कर्तव्य की मिसाल पेश की

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के महाराज के रूप में चार्ल्स तृतीय ने सोमवार को पहली बार संसद को संबोधित करते हुए महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को श्रद्धांजलि दी और ''संवैधानिक शासन के अनमोल सिद्धांतों'' को बनाए रखने में अपनी ''प्रिय दिवंगत मां'' द्वारा पेश की गई निस्वार्थ कर्तव्य की मिसाल का पालन करने का संकल्प लिया। लंदन में वेस्टमिंस्टर हॉल में हाउस ऑफ कॉमन्स और हाउस ऑफ लॉर्ड्स की ओर से जतायी गई संवेदनाओं के जवाब में 73 वर्षीय महाराज चार्ल्स तृतीय ने इतिहास पर प्रकाश डाला और अपनी मां के शासनकाल के कई प्रतीकों का उल्लेख किया।

उन्होंने दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को श्रद्धांजलि देने के लिए विलियम शेक्सपियर की पंक्तियों का उल्लेख किया। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का बृहस्पतिवार को स्कॉटलैंड में 96 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। चार्ल्स ने कहा, ''कम उम्र में दिवंगत महारानी ने अपने देश और अपने लोगों की सेवा करने और संवैधानिक सरकार के अनमोल सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया था।'' उन्होंने कहा, ''महारानी ने इस प्रतिबद्धता को बड़ी निष्ठा के साथ निभाया।

उन्होंने निस्वार्थ कर्तव्य की एक मिसाल कायम की, जिसका ईश्वर और आप सभी के परामर्श से मैं ईमानदारी से पालन करने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं।'' सांसदों के साथ अपने स्वयं के संबंधों की बात करते हुए चार्ल्स ने संसद को ''देश के लोकतंत्र का जीवंत तंत्र'' बताया और अपनी दिवंगत मां के साथ उसके संबंधों'' पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''हम आज महारानी की अपने देश और लोगों के लिए समर्पित सेवा की उल्लेखनीय अवधि को याद करने के लिए एकत्रित हुए हैं जिन्होंने बहुत कम उम्र में खुद को देश और लोगों की सेवा में समर्पित कर दिया था।''

राजकीय शोक के इस कार्यक्रम में संसद के लगभग 900 सदस्य शामिल हुए और देश के नये महाराज के प्रति निष्ठा व्यक्त की। हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर सर लिंडसे हॉयल ने शोक संदेश पढ़ा जिसे बाद में ब्रिटेन के नये महाराज को सौंपा गया जिनके साथ क्वीन कंसोर्ट कैमिला भी थीं।। हॉयल ने कहा, ''हम जानते हैं कि आपका दुख हमारे दुख से कहीं अधिक है... हमारी दिवंगत महारानी, आपकी मां की प्रशंसा में कहने के लिए हमारे पास शब्द नहीं हैं।'' इस कार्यक्रम के अंत में 73 वर्षीय महाराज चार्ल्स, क्वीन कंसोर्ट कैमिला के साथ एडिनबरा रवाना हो गए।

वह वहां दिवंगत महारानी के ताबूत के पीछे एक शाही जुलूस का नेतृत्व करेंगे। महारानी के ताबूत को स्कॉटलैंड की राजधानी में पैलेस ऑफ होलीरूडहाउस से सेंट जाइल्स कैथेड्रल ले जाया जाएगा। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के लिए एक विशेष प्रार्थना के बाद, ताबूत को 24 घंटे के लिए गिरजाघर में रखा जाएगा ताकि आम लोग दिवंगत महारानी को श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें। महाराज चार्ल्स तृतीय की फर्स्ट मिनिस्टर ऑफ स्कॉटलैंड निकोला स्टर्जन के साथ एक मुलाकात होगी। महाराज चार्ल्स स्कॉटलैंड की संसद में हिस्सा लेंगे और शोक प्रस्ताव स्वीकार करेंगे। सोमवार शाम को, महाराज चार्ल्स तृतीय सेंट जाइल्स कैथेड्रल में शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ एक प्रार्थना में शामिल होंगे जहां महारानी के ताबूत को रॉयल स्टैंडर्ड ध्वज में लपेटा जाएगा और उस पर 'क्राउन आफ स्कॉटलैंड'रखा जाएगा। चार्ल्स ने सप्ताहांत में ब्रिटेन का महाराज घोषित किए जाने पर कहा था, ''इन जिम्मेदारियों को उठाते हुए मैं संवैधानिक सरकार को बरकरार रखने के उनके प्रेरक उदाहरण का अनुसरण करूंगा तथा इन द्वीपों के लोगों और राष्ट्रमंडल देशों तथा विश्व भर में फैले क्षेत्रों में शांति, सौहार्द्र एवं समृद्धि के लिए काम करूंगा।''

महारानी को श्रद्धांजलि देने के इच्छुक लोगों के लिए नए नियम जारी

लंदन (एजेंसी)।

लंदन में संसद के सदन में रखे गए महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के पार्थिव शरीर के दर्शन करने और उन्हें श्रद्धांजलि देने के इच्छुक लोगों के लिए सरकार ने नियम जारी किए हैं। महारानी का पर्थिव शरीर पूरे राजकीय सम्मान के साथ बुधवार सुबह साढ़े छह बजे (अंतरराष्ट्रीय समयानुसार सुबह साढ़े पांच बजे) से 19 सितंबर को शाम पांच बजे (स्थानीय समयानुसार शाम चार बजे) तक वेस्टमिंस्टर पैलेस में रखा जाएगा। इस दौरान हजारों लोगों के उन्हें श्रद्धांजलि देने की उम्मीद है।

रविवार को जब महारानी के ताबूत को बाल्मोरल कैसल से एडिनबर्ग ले जाया जा रहा था तब उनकी अंतिम यात्रा के साक्षी बनने के लिए हजारों की संख्या में लोग सड़कों और पुलों पर एकत्रित हो गए थे, जिसके बाद नए नियमों को सार्वजनिक किया गया। डिजिटल, सांस्कृतिक, मीडिया एवं खेल मामलों के विभाग ने अपने दिशानिर्देश में कहा, ''अगर महारानी के अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, तो कृपया ध्यान दें कि इसके लिए कतार लगेगी, कतार काफी लंबी होने की उम्मीद है।

संभवतः रात भर आपको कई घंटों तक खड़े रहने पड़ सकता है।'' मंत्रालय ने चेतावनी दी, ''भीड़ अधिक रहने की उम्मीद है और सार्वजनिक परिवहन एवं क्षेत्र के आसपास सड़क बंद होने से देरी होने की संभावना है।'' आगंतुकों को हवाईअड्डे जैसी सुरक्षा जांच से गुजरना होगा और वे अपने साथ सिर्फ एक छोटा बैग ला सकते हैं। विशेष केन्द्र में बड़े बैग रखे जा सकते हैं, लेकिन यह केवल तभी संभव होगा जब वहां जगह उपलब्ध होगी।

जयशंकर ने क्वीन एलिजाबेथ को श्रद्धांजलि देते हुए सच्चा मित्र और शुभचिंतक बताया

-विदेश मंत्री ने महारानीके निधन पर शोक बुक पर हस्ताक्षर कर जताया दुख

लंदन (एजेंसी)।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि उन्होंने समकालीन समय में यूनाइटेड किंगडम का मार्गदर्शन किया। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'महामहिम महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर, उनके परिवार और यूनाइटेड किंगडम के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने अपने देश को समकालीन समय में निर्देशित किया और उनकी गर्मजोशी और करुणा के लिए याद किया जाएगा।' इसके साथ ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नई दिल्ली में भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस के आवास पर महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के लिए शोक पुस्तक पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने स्वर्गीय महारानी को भारत की मित्र और शुभचिंतक के रूप में याद किया। एक ट्वीट में विदेश मंत्री ने कहा कि निरंतरता और परिवर्तन का प्रतीक हैं जिसने उनके राष्ट्र को वैश्विक विकास के अनुरूप समकालीन युग में प्रवेश कराया। विदेश मंत्री ने उनके साथ किये हुए मुलाकात के किस्सा साझा करते हुए कहा कि उन्हें भारत के एक सच्चे मित्र और शुभचिंतक के रूप में याद किया जाएगा। शाही परिवार ने एक बयान में कहा कि एलिजाबेथ द्वितीय का 96 वर्ष की आयु में बाल्मोरल महल में निधन हो गया। ब्रिटेन के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली महारानी को उनकी हालत बिगड़ने के बाद चिकित्सकीय देखरेख में रखा गया था। उनके सबसे बड़ा बेटे प्रिंस चार्ल्स III को आधिकारिक तौर पर नया सम्राट घोषित किया गया। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद नई दिल्ली में ब्रिटिश उच्चायोग में यूनियन जैक का झंडा आधा झुका हुआ था।

हसीना का कहना है कि रोहिंग्या शरणार्थियों का लंबे समय तक रहना बांग्लादेश की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा है

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को कहा कि देश में शिविरों में 10 लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों का लंबे समय तक रहना सुरक्षा और स्थिरता के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। शेख हसीना ने भारत-प्रशांत क्षेत्र के 24 देशों के सैन्य अधिकारियों की तीन दिवसीय बैठक के उद्घाटन समारोह में कहा, ''रोहिंग्या शरणार्थियों के लंबे समय तक रहने से उनके अपने कष्टों के अलावा बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, सुरक्षा और सामाजिक-राजनीतिक स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।''

बांग्लादेश सेना के साथ अमेरिका 'हिंद-प्रशांत सैन्य प्रबंधन संगोष्ठी' का सह-मेजबान है। इसमें हिस्सा लेने वाली देशों की सेनाएं आपदा प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय अपराध, सुरक्षा मुद्दों और महिला सशक्तिकरण पर चर्चा कर रही हैं, वहीं बांग्लादेश मंच का उपयोग म्यांमार में हिंसा के चलते भागे रोहिंग्या शरणार्थियों के मुद्दे को उजागर करने के लिए कर रहा है। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल एस एम शफीउद्दीन अहमद ने कहा कि बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी रोहिंग्या शरणार्थी शिविरों का दौरा करेंगे जिसमें अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जापान, इंडोनेशिया, भारत, चीन और वियतनाम के

प्रतिभागी शामिल हैं।

अहमद ने कहा कि सैन्य अधिकारियों को कॉक्स बाजार जिले के शिविरों में ले जाया जा रहा है ताकि उन्हें शरणार्थी संकट की गंभीरता और यह ''स्पष्ट रूप से समझाया''जा सके कि उन्हें म्यांमार वापस भेजना क्यों आवश्यक है। हसीना ने कहा कि शरणार्थियों को वापस भेजना ही इस संकट का एकमात्र समाधान है, लेकिन बांग्लादेश उन्हें म्यांमार वापस जाने के लिए मजबूर नहीं करेगा। चीन द्वारा मध्यस्थता में एक द्विपक्षीय समझौते के तहत शरणार्थियों को वापस भेजने के कम से कम दो प्रयास विफल होने के बाद बांग्लादेशी अधिकारियों ने निराशा व्यक्त की है।

मुस्लिम रोहिंग्या ने कहा है कि बौद्ध बहुल म्यांमार में स्थितियां बहुत खतरनाक हैं, जहां उन्हें व्यापक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। यूएस आर्मी पैसिफिक के कमांडिंग जनरल चार्ल्स ए फ्लिन ने संवाददाताओं से कहा कि वह नीतिगत सवालों का जवाब नहीं दे सकते, जैसे कि सेनाएं कैसे रोहिंग्या को म्यांमार वापस भेजने में मदद कर सकती हैं।

उन्होंने हालांकि प्रतिनिधिमंडल के शरणार्थी शिविरों के दौरे की व्यवस्था करने के लिए बांग्लादेश को धन्यवाद दिया। रोहिंग्या संकट अंतरराष्ट्रीय अदालतों में चला गया है, जहां म्यांमार ने कुछ भी गलत करने से इनकार किया है। पिछले महीने, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि अमेरिका रोहिंग्या और म्यांमार के सभी लोगों के लिए ''न्याय और जवाबदेही को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध'' है।

चंद्रमा पर खनन गतिविधियों से संबंधित समझौते की प्रासंगिकता

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

वैज्ञानिक मिशनों के समर्थन में चंद्रमा पर खनन की अनुमति के लिए 'आर्टेमिस समझौतों' के प्रभाव में आने से अंतरराष्ट्रीय कानून में नया अध्याय जुड़ा है। हाल में हुए अंतरराष्ट्रीय समझौतों के बाद अमीर देश कानूनी तरीके से चंद्रमा पर और अंतरिक्ष में अन्य पिंडों पर अपने वैज्ञानिक मिशनों के समर्थन में खनन कर सकते हैं। अमेरिका ने अपने अपोलो मिशन के करीब 50 वर्ष बाद 2020 में चंद्रमा पर मनुष्य को भेजने की योजना की घोषणा की थी।

पौराणिक मान्यता के अनुसार अपोलो की जुड़वां बहन के नाम वाली आर्टेमिस योजना चंद्रमा पर और चंद्रमा की परिक्रमा करते स्टेशन 'गेटवे' पर मनुष्य की स्थायी मौजूदगी से जुड़ी है। चंद्रमा पर आर्टेमिस मिशन मंगल और उससे परे पहले मानव मिशन के लिए परीक्षण आधार के रूप में काम करेंगे और मनुष्य की अंतरिक्ष उड़ान में एक नये युग की शुरुआत करेंगे। दीर्घकालिक मानवीय मिशनों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए आर्टेमिस में अंतरिक्ष के संसाधनों के उपयोग की परिकल्पना है।

उदाहरण के लिए ऑक्सीजन तथा हाइड्रोजन के लिए चंद्रमा की चट्टानों और मिट्टी में खनन। ऑक्सीजन सांस लेने में कारगर हो सकती है और हाइड्रोजन पेयजल तथा रेडियेशन शील्ड के लिहाज से उपयोगी हो सकती है। ऑक्सीजन और हाइड्रोजन अंतरिक्ष यात्रा के लिए आवश्यक प्रणोदक (प्रपलेंट) के भी मौलिक तत्व हैं। मौजूदा अंतरिक्ष संधियां अंतरिक्ष के संसाधनों के उपयोग का विनियमन नहीं करतीं और ना ही वे इस पर रोक लगाती हैं। अमेरिका की 1967 की बाहरी अंतरिक्ष संधि को सबसे व्यापक रूप से अपनाया गया है।

इसके अनुसार विभिन्न देश अंतरिक्ष में चंद्रमा या अन्य चीजों के हिस्सों पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकते। आर्टेमिस में मिशन के समर्थन में अंतरिक्ष के संसाधनों के उपयोग के लिए कानूनी आधार स्पष्ट किया गया है। कानूनी तौर पर कहें तो समझौते को संधि नहीं कहा जा सकता। उनमें अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत बाध्यता नहीं होती। ये समझौते केवल अमेरिका और उन अन्य देशों पर लागू होते हैं तो आर्टेमिस के विभिन्न मिशन में भाग लेना चाहते हैं। हालांकि आर्टेमिस समझौतों की कानूनी अहमियत जरूर है।

आर्टेमिस समझौतों में कुछ प्रावधानअंतरिक्ष संधि की व्याख्या करते हैं और इस तरह निष्पक्षता की बात आती है। समझौतों के अनुसार जो देश चंद्रमा के संसाधनों का दोहन कर रहे हैं या खनन कर रहे हैं, उनका उन संसाधनों पर कोई संपत्ति संबंधी अधिकार नहीं होता। इस रूप में देखें तो आर्टेमिस समझौतेराष्ट्रीय विनियोग और उपयोग के संदर्भ में बाहरी अतरिक्ष संधि के प्रावधानों के दायरे में आते हैं।

व्यावहारिक रूप से देखें तो अंतरिक्ष संसाधनों का उपयोग कौन और किन परिस्थितियों में कर सकता है, इसे तय करने के लिए कोई नियामक रूपरेखा नहीं होने पर आर्टेमिस समझौते पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर अंतरिक्ष के संसाधनों के उपयोग का समर्थन करते हैं। परिणाम स्वरूप वित्तीय और प्रौद्योगिकीय रूप से संपन्न देशों को इससे लाभ होगा, वहीं अल्प विकसित या अंतरिक्ष के लिहाज से उभरते देशों को इससे लाभ नहीं होगा या कहें तो कम से कम सीधा लाभ नहीं होगा। आर्टेमिस समझौते का एक और प्रावधान बाहरी अंतरिक्ष संधि के पाठ के ब्योरे से संबंधित है।

टी20 विश्व कप में 23 अक्टूबर को होगा भारत-पाक मुकाबला

शाहीन से रहना होगा सावधान

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी फिट हो गये हैं और अगले माह अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में खेलने के लिए तैयार हैं। इसमें भारत-पाक का मुकाबला 23 अक्टूबर को होगा। यह मैच मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर खेला जाएगा। इसमें शाहीन की वापसी से जहां पाकिस्तान की गेंदबाजी मजबूत होगी, वहीं भारतीय बल्लेबाजों की मुश्किलें बढ़ेंगी क्योंकि पिछले साल हुए विश्वकप में भी इस गेंदबाज ने भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया था।। शाहीन ने सोशल मीडिया पर वर्कआउट करते हुए अपना वीडियो डाला है। इसमें वह तरोताजा नजर आ रहे हैं।

शाहीन को जुलाई महीने गाले में श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में फील्डिंग के समय दाहिने घुटने में चोट लग गयी थी। इस कारण वह एशिया कप 2022 के साथ ही इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। ट्विटर पर शाहीन ने एक वीडियो भी डाला है जिसमें वह वेटलिफ्टिंग करते नजर आ रहे हैं। वह टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली त्रिकोणीय सीरीज से टीम में वापसी करेंगे। शाहीन ने अब तक के अपने करियर के दौरान 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 47 विकेट लिए हैं।

गत वर्ष शाहीन की ही गेंदबाजी से पाक टीम ने भारत को हराया था। तब शाहीन ने रोहित शर्मा, केएल राहुल और विराट कोहली के विकेट लिए थे। शाहीन ने 119 टी20 मैचों में 165 विकेट लिए हैं। वहीं 19 रन देकर 6 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शाहीन के अलावा भारतीय टीम को युवा गेंदबाज नसीम शाह से भी सतर्क रहना होगा। नसीम ने एशिया कप में अपनी शानदार गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया था।

विश्व चैम्पियनशिप: मंगोलियाई पहलवान के खिलाफ 0-7 से हारी विनेश फोगाट

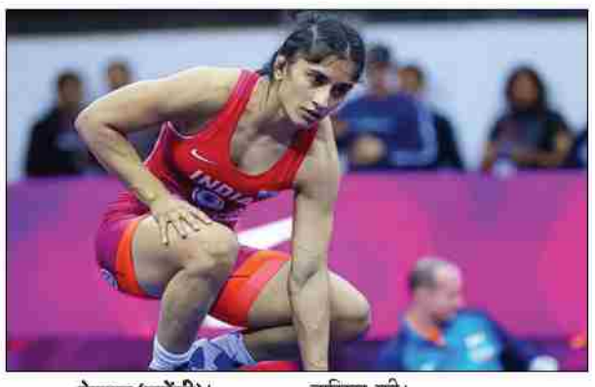

बेलग्राद (एजेंसी)।

राष्ट्रमंडल खेलों में तीन बार की चैंपियन विनेश फोगाट मंगलवार को यहां विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप के क्वालीफिकेशन दौर में मंगोलिया की खुलान बटखुयाग को चुनौती देने में नाकाम रही और 0-7 की शिकस्त के साथ उलटफेर का शिकार हो गई। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के 12 पदक जीतने के शानदार प्रदर्शन के दौरान सोने का तमगा अपने नाम करने वाली 10वीं वरीयता प्राप्त विनेश थकी हुई नजर आई।

एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता के खिलाफ महिला फ्रीस्टाइल 53 किग्रा वर्ग में अंतिम सेकेंडों में विनेश संतुलन खो बैठी जिसका फायदा उठाकर विरोधी ने उन्हें चित्त कर दिया। बटखुयाग ने पहले दौर के बाद 3-0 की बढ़त ले ली और विश्व चैंपियनशिप की पूर्व कांस्य पदक विजेता को अंतिम सेकेंड में मैट पर पीठ के बल पटककर 4 अंक हासिल किए और दबदबे वाली जीत हासिल की।

गौरतलब है कि चयन ट्रायल में विनेश के खिलाफ शिकस्त झेलने वाली भारतीय जूनियर पहलवान अंतिम ने पिछले महीने की शुरुआत में अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप में मंगोलियाई पहलवान को हराया था। पूर्व रजत पदक विजेता अंशु मलिक की गैरमौजूदगी में विनेश पदक की प्रबल दावेदार थी क्योंकि गत चैंपियन जापान की अकारी फुजिनामी के चोट के कारण हटने के बाद उन्हें अनुकूल ड्रॉ मिला था। हालांकि वह क्वालीफिकेशन में बाहर हो गई। भारत के हाथ और निराशा लगी जब नीलम सिरोही दो बार की विश्व चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता रोमानिया की एमीलिया एलीना वुक के खिलाफ 50 किग्रा वर्ग में तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 0-10 से हार गई। घुटने पर काफी अधिक पट्टी बांधकर खेल रही फ्रांसीसी पहलवान कौबा लारोक ने महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर शेफाली को हराया।

शमी को टीम में जगह नहीं मिलने से नाराज हुए मदन लाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर मदन लाल ने आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम में शामिल नहीं किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की है। शमी को विश्व कप के लिए स्टैंडबाय के तौर पर रखा गया है। पिछले साल टी20 विश्व कप में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने के कारण शमी को अब टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलो के लिए जगह नहीं मिल रही।

मदन लाल ने कहा कि शमी के अनुभव को देखते हुए उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिये थी। ऑस्ट्रेलिया के हालातों में वह प्रभावी साबित होते। उन्होंने कहा, शमी बड़ा गेंदबाज है और ऑस्ट्रेलिया में वह वास्तव में अहम भूमिका निभा सकता है। मुझे समझ में नहीं आता कि उसे 15 सदस्यीय टीम में जगह क्यों नहीं मिली है जबकि वह शुरुआती ओवरों में ही टीम को विकेट दिला सकता है। शमी ने साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ही भारत की ओर से केवल 17 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। मदन लाल ने कहा, देखिए, अगर आप टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं तो आपको एक अच्छी गेंदबाजी इकाई की आवश्यकता है। साथ ही कहा कि अगर आपकी टीम 180 रन भी बना लेती है तब भी उसे इसका बचाव करने के लिए बेहतर गेंदबाजी आक्रमण चाहिये होता है। इस बार आपके पास इसका बचाव करने के लिए अच्छी गेंदबाजी नहीं है। चयन समिति ने विश्व कप के लिए तीन स्पिनर रखे हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया में स्पिनर ज्यादा सफल नहीं होते हैं। इसकी जगह आपको ऑस्ट्रेलिया के लिए एक ठोस तेज गेंदबाजी इकाई की जरुरत होती है। उन्होंने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी पर खुशी व्यक्त की है। इस पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, मुझे खुशी है कि बुमराह और हर्षल पटेल टीम में वापस आ गए हैं। आगामी श्रृंखला में भी उनकी फिटनेस पर नजर रखी जाएगी। युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी तरह से सीख रहे हैं, भुवनेश्वर कुमार भी हैं पर भारतीय टीम को इसे बाद भी शमी को जगह देनी थी। वह एक अनुभवी गेंदबाज है और कठिन हालातों में टीम की सहायता कर सकता है।

बिश्नोई को आने वाले समय में कई अवसर मिलेंगे : गावस्कर

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को भविष्य में कई अवसर मिलेंगे। इसलिए उन्हें टी20 विश्व कप के लिए शामिल नहीं किये जाने पर निराश नहीं होना चाहिये। विश्वकप में स्पिनर के तौर पर अनुभवी आर अश्विन को जगह मिली है। बिश्नोई ने हाल में हुए एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में माना जा रहा था कि उन्हें विश्वकप के लिए टीम में जगह मिलेगी। वहीं गावस्कर ने कहा कि बिश्नोई के पास भविष्य में कई टी20 विश्व कप में खेलने के अवसर रहेंगे। इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'ठीक है, उसके पास अभी काफी समय है। एक-दो साल में एक और टी 20 विश्व कप है। इतने सारे टी 20 विश्व कप हैं जो वह भविष्य में खेल सकते हैं। उसे अब इस तरह से प्रदर्शन करना चाहिए कि वह ऐसा खिलाड़ी बन जाए, जिससे उसे बहार नहीं किया जा सके। वह एक युवा खिलाड़ी है, यह जानना उसके लिए अच्छा अनुभव हैं कि वह हर टीम में शामिल नहीं हो सकता।'

गौरतलब है कि टी20 विश्व कप के लिए जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल की टीम में वापसी हुई है। ऐसे में गावस्कर को लगता है कि इससे भारतीय टीम बेहतर होगी। उन्होंने कहा, 'यह एक बहुत अच्छी टीम लग रही है। बुमराह और पटेल के आने के साथ ही ऐसा लग रहा है कि भारत जितने रनों का लक्ष्य देगा, उसका बचाव करने में सक्षम होगा।

रेणुका सिंह गेंदबाजों की टी20 रैंकिंग में 13वें स्थान पर पहुंची, दीप्ति सातवें स्थान पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की मंगलवार को जारी नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में पांच पायदान की छलांग से 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि स्पिनर दीप्ति शर्मा सातवें स्थान पर बरकरार हैं।

पिछले हफ्ते चेस्टर ली स्ट्रीट में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की नौ विकेट की हार के दौरान चार ओवर में सिर्फ 23 रन देकर किफायती गेंदबाजी करने वाली रेणुका के 612 रेटिंग अंक हैं। दीप्ति शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज बनी हुई हैं जबकि आलराउंडर की सूची में भी वह चौथे स्थान पर बरकरार हैं। बल्लेबाजों की सूची में वह तीन पायदान ऊपर 33वें और विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष चार पायदान ऊपर 75वें स्थान पर पहुंच गईं। बल्लेबाजी रैंकिंग में स्मृति मंधाना (710 अंक) चौथे स्थान के साथ सर्वोच्च रैंकिंग वाली भारतीय खिलाड़ी हैं जबकि शेफाली वर्मा (686) और जेमिमा रोड्रिग्स (624) क्रमशः छठे और 10 वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड की ऑलराउंडर सारा ग्लेन भारत के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद हमवतन सोफी एक्लेस्टोन के करीब पहुंच गई हैं। सारा करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग की बराबरी करते हुए दूसरे स्थान पर हैं और बाएं हाथ की स्पिनर सोफी से सिर्फ 13 रेटिंग अंक पीछे हैं। इंग्लैंड की बल्लेबाज सोफिया डंकले और एलिस कैप्सी की रैंकिंग में भी पहले मैच के बाद सुधार हुआ है। सोफिया 44 गेंद में नाबाद 61 रनों की पारी से 13 पायदान ऊपर 44वें स्थान पर पहुंच गई जबकि एलिस 20 गेंद में नाबाद 32 रन की पारी खेलकर 12 पायदान के फायदे से 52वें स्थान पर हैं। फेया डेविस को नौ स्थान का फायदा हुआ है और वह गेंदबाजों की सूची में 59वें स्थान पर हैं।

टी20 विश्व कप से पहले बीसीसीआई पेश करेगी नई जर्सी

मुंबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट से पहले नई जर्सी पेश करेगी। बीसीसीआई ने एक वीडियो में यह संकेत दिये कि शीघ्र ही टीम द्वारा पहनी जाने वाली नई जर्सी सार्वजनिक की जाएगी। इसी कड़ी में कप्तान रोहित शर्मा, बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और ऑलराउंडर खिलाड़ी हार्दिक पांड्या को टीम इंडिया के आधिकारिक किट प्रायोजक एमपीएल की वेबसाइट पर अपने सुझाव देने के लिए प्रशंसकों को प्रेरित करते देखा जा सकता है।

तेंदुलकर ने जिम में अभ्यास का वीडियो साझा किया

कानपुर। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आजकल यहां सड़क सुरक्षा के लिए जागरुकता फैलाने वाली रोड सेफ्टी सीरीज में भाग लेने के लिए आये हुए हैं। इस लीग में इंडिया लीजेंड्स की कप्तानी कर रहे सचिन 49 साल के हो गये हैं। इसके बाद भी वह अपनी फिटनेस बनाये हुए हैं। इसी कड़ी में सचिन ने जिम में अभ्यास करते हुए का अपना एक वीडियो भी साझा किया है जिसे देखकर प्रशंसक हैरान हुए हैं। तेंदुलकर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपना यह वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में वह जिम में अलग-अलग प्रकार के व्यायाम करते दिख रहे हैं। इसी के साथ ही वह मैदान पर बल्लेबाजी का अभ्यास भी कर रहे हैं। प्रशंसकों का कहना है कि चाहे जिम में हो या नेट्स में या फिर मैदान में तेंदुलकर आज भी अपना 100 फीसदी योगदान देते हैं। सचिन के अभ्यास को देखकर अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने कमेंट करते हुए फायर के तीन इमोजी बनाए हैं। इंडिया लीजेंड्स को अब रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज सीजन 2 के अपने दूसरे मैच में बुधवार को श्रीलंका लीजेंड्स के साथ खेलना है। वहीं पहले मैच में भारत ने स्टुअर्ट बिन्नी की अच्छी पारी से दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स को हराया था। इस मैच में बिन्नी ने शानदार 82 रन बनाए थे।

अगस्त के लिए रजा और मैक्ग्रा आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत की जेमिमा रोड्रिग्स अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया की तहलिया मैकग्रा से पिछड़ गयी जबकि पुरुष वर्ग में जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा ने अपने दमदार प्रदर्शन से यह खिताब अपने नाम किया। महिलाओं के वर्ग में इस पुरस्कार के लिए रोड्रिग्स के साथ राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और तहलिया मैकग्रा भी नामित थी।

मैकग्रा ने बर्मिंघम में ऑस्ट्रेलिया को स्वर्ण पदक विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी जिससे उन्हें यह पुरस्कार मिला। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में 57 की औसत से 114 रन बनाने के साथ 13.40 की औसत से पांच विकेट भी चटकाये। उन्होंने इस दौरान पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 78 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी लिये। मैकग्रा ने आईसीसी द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, ''मैं अगस्त के लिए आईसीसी सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुने जाने पर सम्मानित महसूस कर रही हूं क्योंकि इस समय बहुत सारे शानदार खिलाड़ी हैं जो अपने खेल में शीर्ष पर हैं।'' रजा इस पुरस्कार को जीतने वाले जिम्बाब्वे के पहले पुरुष खिलाड़ी हैं। इस 36 साल के खिलाड़ी को न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर और इंग्लैंड के बेन स्टोक्स जैसे दिग्गज हरफनमौला के साथ नामांकन मिला था। उन्होंने कहा, ''मैं आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार जीत कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह पुरस्कार जीतने वाला जिम्बाब्वे का पहला खिलाड़ी होने के कारण यह और भी खास है।''रजा ने इस दौरान बांग्लादेश और भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के खिलाफ उनकी नाबाद 135 और नाबाद 117 रन के दम पर जिम्बाब्वे तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला को 2-1 से जीतने में सफल रहा। उन्होंने इसके बाद भारत के खिलाफ भी शतकीय पारी खेली। रजा ने इस दौरान अपनी स्पिन गेंदबाजी से सात विकेट भी चटकाये।

लंबी कूद खिलाड़ी जेस्विन एल्ड्रिन ने 'गोल्डन फ्राई सीरीज मीट' में जीता गोल्ड

नई दिल्ली। लंबी कूद में भारत के शीर्ष खिलाड़ी जेसविन एल्ड्रिन ने 8.12 मीटर के प्रभावशाली प्रयास के साथ लिकटेंस्टीन में आयोजित तीसरी 'गोल्डन फ्राई सीरीज एथलेटिक्स मीट' में स्वर्ण पदक जीता। एल्ड्रिन ने पहली बार भारत के बाहर आठ मीटर की बाधा पार की है। वह पिछले मुकाबलों में आठ मीटर की दूरी छूने में नाकाम रहे थे। एल्ड्रिन ने ट्वीट किया, 'लिकटेंस्टीन में 'गोल्डन फ्लाई सीरीज' में 8.12 मीटर के प्रयास के साथ वास्तव में खुश हूं। यह लंबा सत्र रहा, जिसमें अभी एक और स्पर्धा है। रविवार को इसमें चेक गणराज्य के राडेक जुस्का 7.70 मीटर के साथ दूसरे जबकि नॉर्वे के हेनरिक फ्लैटनेस 7.66 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर थे। लंबी कूद में प्रतिस्पर्धा कर रहे त्रिकूद खिलाड़ी प्रवीण चित्रावल 7.58 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे।

करमन ने आठवीं वरीयता प्राप्त पेक्टेट को हराकर उलटफेर किया

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ी करमन कौर थंडी ने चेन्नई ओपन डब्ल्यूटीए 250 टेनिस टूर्नामेंट के शुरूआती दौर में सोमवार को यहां आठवीं वरीयता प्राप्त फ्रांस की खिलाड़ी क्लो पेक्टेट को पिछड़ने के बाद शिकस्त दी। वाइल्ड कार्ड के जरीये टूर्नामेंट के मुख्य दौर में जगह बनाने वाली विश्व रैंकिंग की 365 स्थान की खिलाड़ी करमन ने रैंकिंग में 111वें स्थान पर काबिज पेक्टेट को 4-6, 6-4, 6-3 से शिकस्त दी। पेक्टेट शुरुआती सेट में करमन पर भारी पड़ी लेकिन यहां की गर्मी और उमस भरी परिस्थितियों में रैंकिंग के मामले में भारत की दूसरी शीर्ष महिला एकल खिलाड़ी के सामने दमखम नहीं दिखा सकी। चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रही विश्व रैंकिंग की पांचवें नंबर की पूर्व खिलाड़ी यूजिनी बूचार्ड ने स्विट्जरलैंड की जोआन जुगर पर जीत के साथ इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। कनाडा की खिलाड़ी ने पहले दौर के इस मुकाबले को 7-5, 6-2 से अपने नाम किया। विम्बलडन उपविजेता (2014) रही बुचार्ड ने डब्ल्यूटीए स्पर्धा में मार्च 2021 के बाद पहली जीत दर्ज की है। अन्य मैचों में पोलैंड की कटारजिना कावा ने ऑस्ट्रेलिया की एस्ट्रा शर्मा को 6-4, 6-3 से और सातवीं वरीयता प्राप्त रेबेका मैरिनो (कनाडा) ने अन्ना ब्लिंकोवा (रूस) को 7-5, 6-2 से हराया। जापान के नाओ हिबिनो ने क्वालीफायर खिलाड़ियों के मुकाबले में जाना फेट (क्रोएशिया) को 6-0, 6-4 से पराजित कर अंतिम 16 के दौर में प्रवेश किया।

सिडनी थंडर से खेलेंगे वार्नर

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर एक बार फिर बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलते नजर आयेंगे। वार्नर ने बीबीएल टीम सिडनी थंडर के साथ दो साल का करार किया है। यह तीसरी बार है जब वार्नर थंडर की ओर से खेलेंगे। वार्नर ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 96 टेस्ट, 133 एकदिवसीय और 91 टी20 खेले हैं। वार्नर ने कहा, जिस क्लब से मैंने शुरुआत की थी बिग बैश में उसी के साथ वापस जुड़ने को लेकर मैं बेहद खुश हूं। साथ ही कहा कि एक पेशेवर क्रिकेटर के रूप में मुझे जिन हालातों में खेलने का आनंद मिलता है, वे बड़े पैमाने पर अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ मुकाबले से मिले हैं। इस बल्लेबाज ने कहा है कि बीबीएल में योगदान कर वह आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को लाभ पहुंचाना चाहते हैं। वार्नर ने यह भी कहा कि उनके परिवार ने बीबीएल में लौटने के उनके फैसले को प्रभावित किया था। मेरी बेटियों ने तक ने मुझसे कहा है कि वे मुझे घर पर और बीबीएल में खेलते देखना पसंद करेंगी। वहीं एक परिवार के रूप में बीबीएल का हिस्सा बनकर मुझे बेहद अच्छा लग रहा है। वहीं सिडनी थंडर के मुख्य हेड कोच ट्रेवर बेलिस ने कहा कि वार्नर के करार करने से बीबीएल और थंडर नेशन पर जबरदस्त प्रभाव पड़ेगा। उसके आने से युवा खिलाड़ियों को जहां अच्छा अनुभव हासिल होगा। वहीं युवाओं को खेल से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी।

कोहली की ओपनिंग निश्चित तौर पर भारतीय टीम के लिए बड़ा विकल्प: गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत भले ही एशिया कप 2022 नहीं जीत पाया लेकिन धमाकेदार बल्लेबाज विराट कोहली की फॉर्म में वापसी से भारतीय प्रशंसकों को काफी खुशी हुई। पाकिस्तान के खिलाफ अपने 100वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 35 रन बनाते हुए वह बेहद खराब थे। लेकिन जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ा, उनका प्रवाह बढ़ता गया। दो अर्धशतक और एक शून्य के बाद कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ करियर की सर्वश्रेष्ठ 122 रनों की पारी खेली जिसमें 1020 दिनों के प्रारूप में अपने शतक का सूखा समाप्त हुआ। अब, भारत के पूर्व क्रिकेटर रोहन गावस्कर को लगता है कि कोहली अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में पुरुष टी 20 विश्व कप से पहले बल्लेबाजी की शुरुआत करना एक बड़ा विकल्प बन सकते हैं।

रोहन ने कहा, देखो, विराट को ओपनिंग करनी चाहिए, मुझे लगता है कि यह एक बढ़िया विकल्प है। आप उनके टी 20 नंबरों को देखें, वे उत्कृष्ट हैं। उनका औसत लगभग 55-57 है और उनका स्ट्राइक रेट लगभग 160 है। वे अभूतपूर्व संख्याएं हैं। उनकी आखिरी पारी, फिर से 122 रनों की नाबाद पारी आपको बताती है कि उन्हें शायद ओपनिंग भी पसंद है। उन्होंने कोहली की एक पुरानी बात को याद करते हुए कहा कि वह आईपीएल में ओपनिंग करना चाहते थे। उन्होंने कहा था कि यही वह स्थान है जहां मैं बनना चाहता हूं। इसलिए, यह स्पष्ट रूप से कुछ ऐसा है जो वह करना चाहते हैं। इसलिए, यह निश्चित रूप से भारतीय टीम के लिए एक बड़ा विकल्प है। कोहली के फिर से अपने दबदबे वाले पुराने स्वर के लक्षण दिखाने के साथ उनके साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करने का मतलब होगा कि केएल राहुल को ग्यारह से बाहर होना होगा। सूर्यकुमार यादव को तीन पर धकेल दिया जाएगा। कुछ ऐसा जो गावस्कर के अनुसार एक संभावना हो सकती है। उन्होंने कहा, यह उन विकल्पों को खोलता है और आप सही कह रहे हैं, स्काई (सूर्यकुमार) नंबर 3 पर बल्लेबाजी करना एक सुखद विचार है। लेकिन मेरा कहना है कि अगर विराट ओपन करते हैं, तो उन्होंने दिखाया कि वह एक सलामी बल्लेबाज के रूप में कितनी बड़ी सफलता है। इसका मतलब है एक मेरे पसंदीदा खिलाड़ियों में से रास्ता बनाना होगा जो केएल राहुल हैं। उन्होंने कहा, चूंकि केएल राहुल मैंने यह पहले भी कहा है, वह एक पूर्ण वर्गीय कार्य है। तो देखिए, यह उन मुश्किल परिस्थितियों में से एक है लेकिन तीसरे नंबर पर मुझे लगता है कि स्काई, हम यही चाहते हैं। वह टी20 के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। प्रारूप में भारत का अगला मैच 20 सितंबर को मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मैचों से होगा।

किशोरों को वयस्क जेलों में रखना व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित करना : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता राष्ट्रीय अदालतों द्वारा बताई जाने वाली सबसे पुरानी अवधारणाओं में से एक है, और किशोरों को वयस्क जेलों में बंद करना कई पहलुओं पर उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित करना है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणा को कहीं अधिक व्यापक व्याख्या मिली है और आज स्वीकार की गई धारणा यह है कि स्वतंत्रता में वे अधिकार और विशेषाधिकार शामिल हैं, जिन्हें लंबे समय से एक स्वतंत्र व्यक्ति द्वारा खुशी की व्यवस्थित खोज के लिए आवश्यक माना जाता है।

पीठ ने सोमवार को दिए एक फैसले में कहा, यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि किशोरों को वयस्क जेलों में बंद करना कई पहलुओं पर उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित करना है।

पीठ ने कहा कि किशोर न्याय प्रणाली के पदाधिकारियों में बच्चे के अधिकारों और संबंधित कर्तव्यों के बारे में जागरूकता कम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक बार बच्चा वयस्क आपराधिक न्याय प्रणाली के जाल में फंस जाता है, तो बच्चे के लिए इससे बाहर निकलना मुश्किल होता है।

शीर्ष अदालत ने एक हत्या के दोषी की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियां कीं, जिसने उम्रकैद की सजा काट रहे अपराध के समय नाबालिग होने का दावा किया था। याचिकाकर्ता, जिसकी सजा को 2016 में शीर्ष अदालत ने बरकरार रखा, उसने कोर्ट से उत्तर प्रदेश सरकार को उसकी सही उम्र के सत्यापन के लिए निर्देश देने की मांग की।

याचिकाकर्ता विनोद कटारा की ओर से पेश अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा ने कहा कि उनके मुवक्किल ने किशोर होने की दलील नहीं दी थी, फिर भी कानून उन्हें किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2011 के प्रावधानों के संबंध में इस समय भी इस तरह की याचिका दायर करने की अनुमति दे रहा है।

याचिकाकर्ता को परिवार रजिस्टर प्रमाण पत्र भी प्राप्त हुआ, जहां उसका जन्म वर्ष 1968 दिखाया गया था, और दावा किया कि अपराध के समय वह 14 वर्ष का था। पीठ ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ समय बाद, रिट आवेदक यूपी पंचायत राज (परिवार रजिस्टरों का रखरखाव) नियम, 1970 के तहत जारी परिवार रजिस्टर दिनांक 02.03.2021 के रूप में एक दस्तावेज प्राप्त करने की स्थिति में था। फैमिली रजिस्टर सर्टिफिकेट, रिट आवेदक का जन्म वर्ष 1968 के रूप में दिखाया गया है।

कोर्ट ने कहा कि यह रिकॉर्ड पर रखे गए दस्तावेजी सबूत हैं जो कानून के संघर्ष में एक किशोर की उम्र निर्धारित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

शीर्ष अदालत ने चिकित्सा आयु निर्धारण परीक्षण का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह का परीक्षण तीन डॉक्टरों की एक टीम द्वारा किया जाएगा, जिनमें से एक डॉक्टर को रेडियोलॉजी विभाग का प्रमुख होना जरुरी है।

आगे कहा गया, हम आगरा के सत्र न्यायालय को इस आदेश के संचार की तारीख से एक महीने के भीतर कानून के संबंध में रिट आवेदक के किशोर होने के दावे की जांच करने का निर्देश देते हैं।

शीर्ष अदालत ने सत्र अदालत को याचिकाकर्ता द्वारा उद्धृत परिवार रजिस्टर को सत्यापित करने का निर्देश दिया।

ज्ञानवापी मामला: महबूबा मुफ्ती ने कोर्ट के फैसले पर उठाए सवाल, बोलीं- बीजेपी के एजेंडे में है

जम्मू, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद मामले में वाराणसी की अदालत का फैसला उपासना स्थल अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ध्रुवीकरण'' के एजेंडे को पूरा करता है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के पास लोगों को देने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा रोजगार देने और महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह से विफल रही है और यदि यह स्थिति इसी तरह बनी रही, तो हम किसी अन्य चीज के बजाय मस्जिदों को तोड़ने में विश्वगुरु' बन सकते हैं।''

उत्तर प्रदेश में वाराणसी की जिला अदालत ने सोमवार को ज्ञानवापी शृंगार गौरी मामले की विचारणीयता पर सवाल उठाने वाली मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी थी और कहा था कि वह देवी-देवताओं की दैनिक पूजा के अधिकार के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई जारी रखेगी, जिनके विग्रह ज्ञानवापी मस्जिद की बाहरी दीवार पर स्थित हैं। अदालत ने कहा था कि 1991 का अधिनियम इस मामले में लागू नहीं होता है।

महबूबा ने यहां पत्रकारों से कहा, मेरा मानना है कि अदालत स्वयं अपने आदेशों और 1991 के उस अधिनियम का सम्मान नहीं कर रही है जिसके तहत धार्मिक संरचनाओं को 1947 के बाद उसी स्वरूप में बरकरार रखे जाने की बात कही गई है यानी उनके पुराने स्वरूप में कोई बदलाव नहीं किया जायेगा।'' इससे पहले एक ट्वीट में, उन्होंने कहा, उपासना स्थल अधिनियम के बावजूद ज्ञानवापी पर अदालत के फैसले से हंगामा होगा और सांप्रदायिक माहौल बनेगा जो भाजपा के एजेंडे के अनुरूप है। यह एक चिंताजनक स्थिति है कि अदालत अपने ही फैसलों का पालन नहीं करती हैं।''

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दो लोगों को छोड़कर, देशवासी हर गुजरते दिन के साथ गरीब होते जा रहे हैं और इन चीजों से ध्यान हटाने के लिए, वे (भाजपा) हिन्दुओं और मुसलमानों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने के मकसद से सांप्रदायिक कार्ड खेल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के 'विश्वगुरु' बनने की ओर बढ़ने संबंधी भाजपा नेताओं के बयानों का जिक्र करते हुए महबूबा ने कहा, हम किसी और चीज के बजाय मस्जिदों को तोड़ने में विश्वगुरु बन सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि देश के लोगों को यह समझने की जरूरत है कि भाजपा हिन्दुओं और मुसलमानों को बांटने में सबसे आगे है और अपने हितों के लिए संविधान को कुचल रही है।

पीडीपी नेता ने अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन का जिक्र किया और कहा, पूरे देश ने देखा है कि कैसे सत्तारूढ़ दल ने अपने प्रचंड बहुमत के जरिये संविधान का उल्लंघन किया और तत्कालीन राज्य के लोगों के मौलिक अधिकारों को छीन लिया। उन्होंने कहा, आप बोलने में असमर्थ हैं, पत्रकारों और कार्यकर्ताओं को जेल में डाला जा रहा है और गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम का लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है और राजनीतिक नेताओं को चुप कराया जा रहा है। लोग धीरे-धीरे समझ रहे हैं कि भाजपा संविधान का उल्लंघन कर रही है।

आपदा शमन उपायों पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करेगा सिक्किम : मंत्री लेप्चा

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 13 सितम्बर । भारतीय हिमालयन सेंटर फॉर एडवेंचर एंड इको-टूरिज्म, छेम्ची, नामची में आज आपदा मित्र योजना के उन्नयन के लिए आयोजित कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भू-राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में राहत आयुक्त सह सचिव श्री अनिल राज राई, संयुक्त सचिव (नीति और योजना-एनडीएमए) श्री कुणाल सत्यार्थी, अतिरिक्त सचिव (एलआर एंड डीएम) श्रीमती परिना गुरुंग, निदेशक (एलआर एंड डीएम) प्रभाकर राई, जिलाधिकारी (नामची) भरणी कुमार, जिलाधिकारी (सोरेंग) भीम थाटल प्रमुख रूप से शामिल हुए। 12 दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएसडीएमए) की ओर से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से किया गया।

उल्लेखनीय है कि 'आपदा मित्र योजना' का उद्देश्य सामुदायिक स्वयंसेवकों को आपदा के दौरान और उसके बाद अपने समुदाय की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक बुनियादी कौशल प्रदान करना है। ये प्रशिक्षित स्वयंसेवक आपदा प्रतिक्रिया, समन्वय और प्रबंधन की बुनियादी तकनीकों का उपयोग करके जीवन बचाने में सहायता करेंगे।

सभा को संबोधित करते हुए कुंगा नीमा लेप्चा ने स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण के सफल समापन पर बधाई दी और कहा कि आपदा के समय में 'आपदा मित्र' सहायता करता है। प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी के अनुसार ये स्वयंसेवक किसी भी प्रकार की विपत्तिपूर्ण घटना के लिए प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसलिए, उन्होंने इन स्वयंसेवकों को इस प्रशिक्षण के माध्यम से अर्जित कौशल को और बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि संकट की स्थिति में सभी की मदद की जा सके।

इसके अलावा मंत्री ने इस प्रकार के कार्यक्रमों में पंचायतों और अन्य हितधारकों को शामिल करने तथा शैक्षणिक संस्थानों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने सिक्किम में आपदाओं के जोखिम को कम करने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों के बारे में भी बताया। इस संबंध में, उन्होंने घोषणा की कि सिक्किम एक राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा जिसमें आपदा के व्यापक प्रभावों और पहाड़ी क्षेत्र द्वारा सामना किए जाने वाले अन्य शमन उपायों पर चर्चा की जाएगी, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए कुणाल सत्यार्थी ने बताया कि इस योजना के तहत स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण को लागू करने के साथ-साथ सिक्किम भारत के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण न केवल स्वयंसेवकों को जीवन रक्षक कौशल बनाने में मदद करेगा, बल्कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिक्रिया देने और सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर भी प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि संभावित रूप से स्वयंसेवकों को आपदा प्रतिक्रिया में 3 साल तक का बीमा कवरेज भी प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एनडीएमए कार्यक्रमों, योजनाओं और भारत सरकार द्वारा शुरू की गई अन्य कई पहलों के बारे में भी बात की।

सचिव (एलआर एंड एमडीडी) अनिल राज राई ने राज्य में एसएसडीएमए के तहत कार्यक्रमों और गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में कुल 300 स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जिसमें 30 प्रतिशत से अधिक प्रतिभागी महिलाएं थीं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों ने विभिन्न आपदा-सिम्युलेटेड परिदृश्यों में विभिन्न बुनियादी राहत और बचाव कार्य किए। कार्यक्रम के दौरान एसएसडीएमए ने एक समाचारपत्र भी जारी किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा आपदा मित्र स्वयंसेवकों को आपातकालीन प्रतिक्रिया किट का वितरण भी किया गया। इसके अलावा, स्वयंसेवकों ने जीवन रक्षक कौशल के अपने व्यावहारिक ज्ञान का भी प्रदर्शन किया।

पुष्पेंद्र यादव फर्जी मुठभेड़ में शामिल पुलिसकर्मियों पर एफआईआर करें: हाईकोर्ट

झांसी, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। झांसी के बहुचर्चित पुष्पेन्द्र यादव फर्जी मुठभेड़ मामले में यूपी सरकार को झटका लगा है। मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपित पुलिसकर्मियों के खिलाफ मर्डर की एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस सुनीत कुमार और जस्टिस सैयद वैज मियां की खंडपीठ ने पुष्पेन्द्र के परिजनों की याचिका पर यह आदेश दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 29 सितम्बर को होगी। इस मामले में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी ट्वीट कर हाईकोर्ट के फैसले पर खुशी जताई है।

झांसी पुलिस के हाथों मारा गया पुष्पेंद्र यादव झांसी के करगुआं गांव का रहने वाला था। उसके पिता सीआईएसएफ में थे। पिता की आंखों की रोशनी चले जाने के बाद पुष्पेंद्र के बड़े भाई रवींद्र को उनकी जगह नौकरी मिल गई थी। पुष्पेंद्र का एक और भाई दिल्ली मेट्रो में नौकरी करता है। घरवालों के मुताबिक पुष्पेंद्र के पास दो ट्रक थे, जिनसे वो बालू और गिट्टी की ढुलाई करता था।

परिवार वालों की मानें तो झांसी पुलिस ने पहले तो पुष्पेंद्र के खिलाफ फर्जी केस दर्ज किया और फिर उसे फर्जी एनकाउंटर में मार दिया। इस मामले में पुलिस ने दिल्ली मेट्रो में नौकरी करने वाले भाई के खिलाफ भी हत्या की कोशिश का फर्जी मामला दर्ज किया था जबकि वह पुष्पेंद्र की मौत की ख़बर सुनकर झांसी आया था। 5 अक्तूबर 2019 की रात मुठभेड़ हुई थी। पुष्पेंद्र यादव के एनकाउंटर के सातवें दिन उसकी 90 वर्षीय दादी की भी सदमे से मौत हो गई थी।

'केरल में 18 और यूपी में 2 दिन'...कांग्रेस की यात्रा पर भड़की सीपीआई-एम, पूछा- यह भारत जोड़ो है या सीट जोड़ो

तिरुवनंतपुरम, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। भारत जोड़ो यात्रा'' के उत्तर प्रदेश की तुलना में केरल में अधिक समय तक रहने को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस के बीच मंगलवार को आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिले। माकपा की केरल इकाई ने मंगलवार को कहा कि उनके पास इस यात्रा का विरोध करने की कोई वजह नहीं है, लेकिन इसके खिलाफ किसी अनुचित आलोचना या अशोभनीय बयान पर पार्टी माकूल जवाब देगी।

माकपा के प्रदेश सचिव एम वी गोविंदन ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी का रुख यात्रा के खिलाफ या इससे जुड़ी किसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा, हालांकि अगर पार्टी, उसके वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) या वाम मोर्चा की अनुचित आलोचना हुई या उसके खिलाफ कोई अशोभनीय बयान दिये गये तो हम तदनुसार जवाब देंगे। यही हमारा रुख है। माकपा ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा' की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा था कि वाम शासित केरल में 18 दिन बिताना और भाजपा शासित उत्तर प्रदेश में केवल दो दिन बिताना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से लड़ने का अजीब तरीका है।

माकपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक व्यंग्य-चित्र ट्वीट कर उसके साथ लिखा था, यह भारत जोड़ो है या सीट जोड़ो। इस ट्वीट में केरल और उत्तर प्रदेश के नक्शे थे और उनके क्षेत्रफल के अंतर को दर्शाया गया था। इस ट्वीट के जवाब में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, इस बारे में ठीक से जानकारी जुटाइए कि यात्रा का यह मार्ग कैसे और क्यों चुना गया। उस पार्टी की ओर से बेकार की आलोचना की

जा रही है जो मुंडूमोदी' की धरती पर भाजपा की ए टीम है।

'मुंडूमोदी' शब्द से रमेश का निशाना केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की ओर माना जा रहा है। इसके जवाब में केरल के पूर्व वित्त मंत्री और वरिष्ठ माकपा नेता थॉमस इसाक ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस नेता ने केरल के मुख्यमंत्री का इस तरह अकारण अपमान क्यों किया।

इसाक ने ट्वीट किया, प्रिय रमेशजी, मैं आपके जवाब से हैरान हूं। केरल के मुख्यमंत्री का अकारण अपमान क्यों? जोड़ो यात्रा की अच्छी शुरुआत नहीं है। और सवालों के जवाब अब तक नहीं मिले। आप गुजरात और उत्तर प्रदेश से बचते हुए केरल में 18 दिन बिताकर किसे जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

ममता सरकार के खिलाफ बीजेपी का हल्ला बोल, हिरासत में लिए गए शुभेंदु अधिकारी समेत कई नेता

कोलकाता, 13 सितम्बर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इन दिनों काफी घमासान मचा हुआ है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ बीजेपी पार्टी ने भ्रष्ट गतिविधियों को लेकर हल्ला बोला है। इसी बीच सुवेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री के सरकारी दफ्तर नबन्ना मार्च के दौरान पुलिस से हुई झड़प के मामले में हिरासत में ले लिया गया। सूत्रों ने बताया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार' के विरोध में नबन्ना चलो अभियान शुरू किया। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए हेस्टिंग्स के पास भारी बैरिकेड लगाए।

अपनी यात्रा में विघ्न पड़ता देख, विपक्षी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई, जिससे पुलिस टीम ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर आंसू गोले छोड़ दिए और इसके साथ ही सुवेन्दु को हावड़ा जिले के सतरागाछी पहुंचने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया। भाजपा नेता अधिकारी ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने पार्टी के कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा किए गए कथित अत्याचारों को दिखाया है। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे भारत के संविधान के अनुच्छेद 19 द्वारा सुनिश्चित नागरिकों के मौलिक अधिकारों को छीन रहे हैं।

भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से घूमने के लिए शांतिपूर्वक इकट्ठा होने के लिए लोग विरोध कर रहे हैं। अधिकारी ने ट्वीट किया, हमारे कार्यकर्ता शांतिपूर्वक सत्तारूढ़ सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोधी यात्री निकाल रहे हैं लेकिन तृणमूल पार्टी के कार्यकर्ता

तानाशाही रणनीति का सहारा लेकर, हमारे कार्यकर्ताओं को कोलकाता जाने वाली ट्रेन में चढ़ने से रोक रहे हैं। नबन्ना पहुंचने से रोकने के लिए टीएमसी अपने फ्रंट ऑर्गनाइजेशन' पश्चिम बंगाल पुलिस का इस्तेमाल कर रही है।'' उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल उत्तर कोरिया बन गया है। ममता बनर्जी लोकतंत्र की लहर' के लिए कोई दीवार नहीं खड़ी हो सकती है, इसे जल्द से जल्द भंग कर दिया जाना चाहिए।''

इसी दौरान भाजपा नेता रूपा गांगुली ने कहा, पुलिस को प्रदर्शनकारियों को रैली के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद करनी चाहिए, न कि उन्हें रोकना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों ने हावड़ा ब्रिज (रवींद्र सेतु) पर बैरिकेड्स की एक श्रृंखला लगाई, जहां से राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष नबन्ना के रास्ते में एक रैली का नेतृत्व करने वाले हैं। राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने ट्वीट किया, झारग्राम थाना के प्रभारी निरीक्षक बिप्लब करमाकर को भाजपा बंगाल कार्यकर्ताओं को डराने और उन्हें कोलकाता न जाने पर मजबूर कर रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि करमाकर ने सिविल कपड़ों में सर्विस रिवॉल्वर को लहराते हुए, नबन्ना मार्च में भाजपा कार्यकर्ताओं के शामिल होने पर उन्हें धमकी दी।

डियर साप्ताहिक लॉटरी

उत्तर 24 परगना की एक गृहिणी ने ₹1 करोड़ जीते

उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल की श्रीमती सुषमा नंदी ने **10.08.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर **98D 37239** है। "सबसे पहले मैं डियर लाटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज के प्रति, मुझे एक करोड़पति बनाने के लिए हृदय से आभार व्यक्त करना चाहती हूं। मध्यमवर्गीय परिवारों से आने वाले मेरे जैसे साधारण लोग कभी अपने जीवन में एक करोड़ रुपए के बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। यह केवल डियर लॉटरी के माध्यम से ही संभव हो पाया है और मैं हमेशा इसकी प्रशंसा करती रहूंगी। मेरे परिवार के सारे सदस्य काफी खुश हैं और अब डियर लॉटरी खरीदने में रुचि दिखाने लगे हैं।" विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com